जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 328 प्रभात बीकानेर, सोमवार 22 जून, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

तुषार मेहता 3 साल के लिये फिर सॉलिसिटर जनरल नियुक्त

नई दिल्ली, 21 जून। केन्द्र सरकार ने तुषार मेहता को भारत के सॉलिसिटर जनरल के रूप में तीन साल के लिए फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होगी। यह उनकी तीसरी बार पुनर्नियुक्ति है। इससे पहले दो बार उनका कार्यकाल बढ़ाया जा चुका है।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी एक आदेश के

- **यह उनका लगातार तीसरा कार्यकाल है। पहली बार वे 2018 में सॉलिसिटर जनरल बने थे।**

अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने देश के दूसरे सर्वोच्च विधि अधिकारी के रूप में तुषार मेहता के पद पर बने रहने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मेहता को, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में सेवा देने के बाद, अक्टूबर 2018 में सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया था। केन्द्र सरकार ने बाद में उन्हें 1 जुलाई, 2020 से प्रभावी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कतर के प्रयास से अमेरिका -ईरान वार्ता स्विटजरलैंड में शुरु हुई

बुर्गेनस्टॉक (स्विट्जरलैंड), 21 जून। स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक में अमेरिका और ईरान के बीच महत्वपूर्ण वार्ता का नया दौर शुरू हो गया है। इस बातचीत को पश्चिम एशिया में जारी तनाव को कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वार्ता प्रक्रिया में कतर की सक्रिय भूमिका सामने आई है, जबकि कुछ रिपोर्टों में अन्य मध्यस्थ देशों के सहयोग का भी उल्लेख किया गया है।

कतर के विदेश मंत्रालय ने उम्मीद जताई है कि यह संवाद दोनों देशों के बीच लंबित मुद्दों पर व्यापक और स्थायी समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। कूटनीतिक हलकों में इस बैठक को लंबे समय से चली आ रही असहमतियों को कम करने के

- **अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि हाल के कुछ घंटों में समझौते को लेकर अच्छी प्रगति हुई है।**

प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने बातचीत को सकारात्मक बताते हुए कहा कि हाल के घंटों में अच्छी प्रगति हुई है और दोनों पक्ष शांति एवं स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ने की इच्छा जता रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका भविष्य में ऐसे पश्चिम एशिया की कल्पना करता है, जहां सहयोग, आर्थिक विकास और स्थिरता को प्राथमिकता मिले।

वैंस के अनुसार, अमेरिकी नेतृत्व क्षेत्र में दीर्घकालिक कूटनीतिक समाधान को बढ़ावा देना चाहता है। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले वर्षों में पश्चिम एशिया की राजनीतिक और रणनीतिक परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर दिए एक बयान में ईरान के साथ संभावित समझौते और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का उल्लेख किया।

उन्होंने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जुड़े आर्थिक उपायों पर भी विचार व्यक्त किया, हालांकि वर्तमान युद्धविराम अवधि के दौरान किसी नए शुल्क की संभावना से इनकार किया गया है।

नीट परीक्षा से पूर्व हिसार में छात्रा ने आत्महत्या की

चंडीगढ़ , 21 जून। हरियाणा के हिसार में रविवार को नीट परीक्षा से पहले एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। 19 वर्षीय मृतका की पहचान सिमरन के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बरवाला क्षेत्र के ढ ाणी खान बहादुर गांव की निवासी थी। हिसार पुलिस को दिए

- **सिमरन ने घर पर रखा कीटनाशक पी लिया था।**

बयान में पिता रोहताश ने बताया कि सिमरन मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाना चाहती थी। सिमरन राजस्थान के सीकर में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी और वह इससे पहले दो बार नीट परीक्षा दे चुकी थी। पहले प्रयास में वह सफल नहीं हो सकी थी, जबकि दूसरी बार परीक्षा रद्द हो गई थी। इसके बावजूद उसने हार नहीं मानी और पूरी मेहनत के साथ दोबारा तैयारी में जुटी हुई थी।

रविवार सुबह सिमरन और उसकी मां शकुंतला घर पर ही थीं। सुबह करीब 10 बजे सिमरन को अचानक तेज उल्टियां होने लगीं। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे गांव के एक स्थानीय डॉक्टर के पास ले गए, जहां उसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत की प्राचीन परम्परा योग, अब दुनिया की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है- मोदी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री ने कोलकाता के रेड रोड पर योग किया

कोलकाता, 21 जून। कोलकाता के रेड रोड पर 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योगाभ्यास में भाग लिया। उनके साथ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी, राज्यपाल आरएन रवि, राज्य सरकार के मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष रथींद्रनाथ बसु, विधायक, छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी, योग साधक तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के दौरे और योग दिवस के मुख्य आयोजन को लेकर पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार सुबह रेड रोड पहुंचे और मंच से देशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग सभी को जोड़ने का माध्यम है

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि योग को केवल एक दिन के कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिये। इसे रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिये।**

और आज 21 जून दुनिया के सबसे बड़े पर्वों में परिवर्तित हो चुका है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा होने के बावजूद, अब पूरी दुनिया की जीवनशैली का हिस्सा बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में हिमालय से हिंद महासागर तक, पूर्वोत्तर और बंगाल से लेकर पश्चिम में सौराष्ट्र तक योग की ऊर्जा दिखाई दे रही है।

उन्होंने पश्चिम बंगाल की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह श्री अरविंद, स्वामी विवेकानंद और श्री रामकृष्ण परमहंस की भूमि है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस धरती पर योग दिवस का आयोजन विशेष महत्व रखता है। उन्होंने श्री अरविंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि श्री अरविंद ने अपने पूरे जीवन को योग से जुड़ा बताया था और योग वास्तव में मानव चेतना से जुड़ने का मार्ग है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि योग को केवल एक दिन के कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए। इसे रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ जीवन जीने में सहायता करता है और मानसिक स्वास्थ्य के साथ शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होर्मुज़ बंद किया तो ईरान पर हमला करेंगे- ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वे होर्मुज़ पर कब्जा करके खुद टोल वसूलेंगे

वॉशिंगटन, 21 जून। स्विट्ज़रलैंड के बर्गनस्टॉक में, जहां एक ओर पाकिस्तान और क़तर की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत हो रही है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दे दी है।

ट्रंप ने साफ-साफ कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य को बंद करने की जुर्रत की, तो उसका अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। ट्रंप ने कहा, आप इसे बंद करेंगे तो आपके पास कोई देश नहीं बचेगा। आप अपने देश वापस भी नहीं जा पाएंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका इस रणनीतिक जलमार्ग पर पूरी तरह नियंत्रण कर सकता है। उन्होंने एक

- **ट्रंप ने कहा कि अमेरिका होर्मुज़ का रक्षक बन सकता है। बदले में वहाँ से निकलने वाले कुल तेल का 20 प्रतिशत अमेरिका अपने पास रखेगा।**

कैबिनेट बैठक के दौरान कहा, अगर हमें जरूरत पड़ी, तो हम होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर कब्जा करेंगे। अगर वे कोई समझौता नहीं करते हैं, तो हम खुद वहां से गुजरने वाले जहाजों से टोल टैक्स वसूलेंगे। डॉनल्ड ट्रंप का यह बयान ईरान के उस हालिया कदम के बाद आया है, जिसमें उसने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को बंद करने की बात कही थी।

ट्रंप ने अमेरिका की भूमिका को एक नए अंदाज में पेश किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज़ जलडमरूमध्य का गार्जियन एंजेल यानी रक्षक बन सकता है। इसके बदले में अमेरिका वहां से निकलने वाले कुल तेल का 20 प्रतिशत हिस्सा अपने पास रखेगा। ट्रंप ने साफ किया कि अगर वैश्विक व्यापार को बाधित करने की कोशिश की गई, तो अमेरिकी सेना चुप नहीं बैठेगी। खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति को सुरक्षित रखना अमेरिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री विजयन की पुत्री को ईडी ने फिर समन भेजा

कोलकाता, 21 जून। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएमआरएल मनी लॉण्डरिंग मामले में वीणा को दोबारा समन जारी

- **गत 17 जून को ईडी ने वीणा टी से 9 घंटे पूछताछ की थी।**

कर 29 जून को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले, ईडी ने 17 जून को उनसे नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। अब एजेंसी ने जांच के दौरान मिले नए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर फिर से उन्हें तलब किया है। इस मामले को लेकर केरल की राजनीति भी गरमा गई है और विपक्ष लगातार राज्य सरकार पर निशाना साध रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा से इस्तीफा देने की सोच रहे हैं बारामूला के सांसद इंजीनियर राशिद

राशिद का मानना है कि वे मतदाताओं की उम्मीदों पर प्रभावी ढंग से खरे नहीं उतर पा रहे हैं

श्रीनगर, 21 जून। जम्मू-कश्मीर की राजनीति से इस वक्त एक बेहद चौंकाने वाली और बड़ी खबर सामने आ रही है। बारामूला लोकसभा सीट से रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करने वाले सांसद इंजीनियर राशिद संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। उनकी पार्टी अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) ने इस बात के संकेत दिए हैं। इंजीनियर राशिद का मानना है कि जिन लोगों ने उन्हें इतना बड़ा जनादेश देकर जिताया, वे उनके बीच रहकर उनकी उम्मीदों पर प्रभावी ढ ंग से खरे नहीं उतर पा रहे हैं। इसी वजह से वे पद छोड़ने पर विचार कर रहे हैं।

एआईपी के मुख्य प्रवक्ता इनाम उन नबी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, पार्टी

- **अंतिम निर्णय से पहले राशिद की पार्टी एआईपी दो दिन तक बारामूला लोकसभा सीट के 18 विधानसभा क्षेत्रों में ब्लॉक व पंचायत स्तर पर जनता का मूड भांपेगी, उसके बाद राशिद अंतिम निर्णय लेंगे।**

की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) ने इस मुद्दे पर लंबी और गंभीर चर्चा की है। इसके बाद यह तय किया गया है कि बारामूला संसदीय क्षेत्र के सभी 18 विधानसभा क्षेत्रों में जाकर पार्टी पदाधिकारियों और जमीनी कार्यकर्ताओं से बातचीत की जाएगी।

यह पूरी परामर्श प्रक्रिया दो दिनों तक चलेगी। इस दौरान ब्लॉक और पंचायत स्तर के नेता न सिर्फ आपस में चर्चा करेंगे, बल्कि आम जनता और समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच जाकर उनका मूड भी भांपेंगे।

इनाम उन नबी ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और दबाव मुक्त रखने के लिए, पार्टी जरूरत पड़ने पर अपने कार्यकर्ताओं के बीच सीक्रेट बैलेट (गुप्त मतदान) भी करा सकती है। इससे कार्यकर्ता बिना किसी झिझक के अपनी असली राय दे सकेंगे कि इंजीनियर राशिद को सांसद पद पर बने रहना चाहिए या इस्तीफा दे देना चाहिए।

पार्टी प्रवक्ता ने साफ किया कि इस पूरी रायशुमारी और वोटिंग का जो भी नतीजा निकलेगा, उससे इंजीनियर राशिद को लिखित में अवगत कराया जाएगा। इसके बाद ही वे कोई अंतिम और ठोस फैसला लेंगे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर इंजीनियर राशिद इस्तीफा देते हैं, तो कश्मीर की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है।

भाषण के बीच नारेबाजी पर खड़गे ने नाराजगी जताई

बेंगलुरु, 21 जून। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद के पदभार ग्रहण समारोह के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कार्यकर्ताओं की नारेबाजी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान लगातार नारेबाजी से असंतुष्ट खड़गे ने कुछ कार्यकर्ताओं को फटकार लगाते हुए उन्हें "यूज़लैस फेलोज" तक कह दिया।

बेंगलुरु के पैलेस ग्राउंड पर आयोजित समारोह में खड़गे मंच से संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान कुछ कार्यकर्ता और मुख्यमंत्री डीके

- **कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक लगातार नारे लगा रहे थे।**

शिवकुमार के समर्थक लगातार "डीकेशी, डीकेशी" के नारे लगा रहे थे। बताया जाता है कि स्वयं डीके शिवकुमार ने भी कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील की, लेकिन नारेबाजी जारी रही। अपने संबोधन में लगातार बाधा पड़ने से खड़गे ने नाराजगी जताई। खड़गे ने कहा कि यहां इस तरह चिल्लाने से देश आपके हाथ में नहीं आ जाएगा। यूज़लैस फेलोज।" उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी एक व्यक्ति का कार्यक्रम नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी का कार्यक्रम है।

खड़गे ने कहा कि यह पार्टी को एकजुट करने का कार्यक्रम है। केवल एक नेता के नाम के नारे लगाने से क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रविवार को भी जारी रहा कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 21 जून। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का दूसरे दिन भी दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन जारी रहा। सीजेपी का कहना है कि वह रविवार रात को भी

- **सीजेपी ने कहा कि रविवार रात को भी प्रदर्शन जंतर मंतर पर जारी रहेगा।**

अपना प्रदर्शन जारी रखेगी।

अभियान के प्रमुख अभिजीत दिपके लगातार लोगों से उनके अभियान से जुड़ने की अपील कर रहे हैं। रविवार को दिपके ने दिल्ली से सटे राज्यों के लोगों से जंतर-मंतर पर किए जा रहे प्रदर्शन में शामिल होने का आ ान किया है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दिपके ने एक्स पर जारी वीडियो में कहा, "नाओ ऑर नैवर" (अब नहीं तो कभी नहीं)। अगर आज आप लोग घरों से बाहर नहीं निकले, तो सिस्टम को बदलने और जवाबदेही लाने की जो उम्मीद इस देश में जगी है, वह हमेशा के लिए मर जाएगी।

सीजेपी प्रमुख ने कहा कि पुलिस किसी को रोक नहीं रही है, सभी को अंदर आने दिया जा रहा है। मैं दिल्ली पुलिस को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि वे संविधान का पालन कर रहे हैं और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या इज़रायल का अमेरिका से विलग होकर स्वतंत्र विदेश नीति रखना एक खयाली पुलाव है?

इज़रायल की सेना के लगभग सभी हथियार अमेरिका की देन हैं। यह ही हाल गोला बारूद का है

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जून। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस की एक तीखी चेतावनी ने यरुशलम और उससे बाहर लंबे समय से उठ रहे एक सवाल को फिर से चर्चा में ला दिया है-इज़रायल अमेरिकी सैन्य समर्थन पर कितना निर्भर है और यदि यह समर्थन कभी कम कर दिया जाए तो क्या वह उससे निपट पाएगा?

वैंस का संदेश इज़रायली मंत्रिमंडल के लिए सीधा था-अपने सबसे करीबी सहयोगी के खिलाफ मत जाइए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इज़रायल की रक्षा करने वाले अधिकांश हथियार अमेरिका में बनाए और फंड किए गए हैं।

उनकी यह टिप्पणी इज़रायली अधिकारियों द्वारा ईरान के साथ यू.एस. की मध्यस्थता वाली अंडरस्टैंडिंग के बाद और यू.एस.- ईरान शांति समझौते के बाद आखिरी दो दिनों में बम दागने के बाद पैदा हुए तनाव के बाद आई।

दोनों देशों के बीच तनाव की जड़ उस 14-सूत्रीय अंतरिम समझौते में है, जिस पर वॉशिंगटन ने तेहरान के साथ हस्ताक्षर किए थे। इज़रायल के प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू ने तुरंत घोषणा कर दी कि इस समझौते का इज़रायल पर कोई प्रभाव नहीं है। वहीं रक्षा मंत्री इज़रायल कैट्ज़ ने सेना को निर्देश दिया कि यदि आवश्यकता पड़े तो ईरान के परमाणु ठिकानों पर एकतरफा हमले की योजना तैयार की जाए।

इस दिखावे के बावजूद, वास्तविकता यह है कि रक्षा मामलों में पूर्ण संप्रभुता के बजाय एक दूसरे पर गहरी निर्भरता है।

1948 में स्थापना के बाद से इज़रायल को अमेरिका से 130 अरब डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता मिल चुकी है। 2019 से अमेरिका फॉरेन मिलिटरी फायनैंसिंग प्रोग्राम के तहत हर वर्ष लगभग 3.8 अरब डॉलर की सहायता दे रहा है, जो इस योजना के तहत किसी भी देश को दी जाने वाली सबसे बड़ी राशि है।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि इज़रायल को इस धन का अधिकांश हिस्सा अमेरिका निर्मित हथियारों और सैन्य उपकरणों पर खर्च करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि यह पैसा अंततः अमेरिकी कारखानों और रोजगार में ही वापस चला जाता है।

- **अपने संस्थापन से ही, इज़रायल को अभी तक 130 बिलियन डालर की सैन्य सहायता मिली है अमेरिका से।**
- **इज़रायल की वायु सेना दुनिया की श्रेष्ठ वायुसेना में गिनी जाती है, पर एफ-15, एफ-16, एफ-35 तथा अपाचे लड़ाकू हवाई जहाज, ब्लैक हॉक्स आदि भी अमेरिकी मूल के हैं। यह ही नहीं, इन आधुनिक विमानों के स्पेयर पार्ट्स भी अमेरिका से आते हैं।**
- **इस प्रकार इज़रायल अमेरिका पर आश्रित है, अपनी सेना को "फाइटिंग फिट" रखने के लिए। अगर यह सप्लाई बन्द हो जाये तो इज़रायल की सेना के लिए युद्ध में बने रहना असंभव है।**
- **ये हथियार बनाना भी काफी मंहगा ही विकल्प है। इज़रायल ने 1980 के दशक में अपना ही लड़ाकू विमान बनाने का प्रयास किया था, जिसमें उनकी जी. डी. पी. का 20 प्रतिशत हिस्सा खर्च हुआ था, पर फिर यह प्रोजेक्ट अधूरा ही छोड़ना पड़ा था, क्योंकि आगे विमान विकसित करने के लिए धन उपलब्ध नहीं था।**
- **इस प्रकार इज़रायल की सामरिक व्यवस्था अमेरिका के साथ गुथी हुई है, जिसका विलग होना केवल कल्पना तक ही सीमित है।**
- **साथ ही दोनों देश महसूस करते हैं कि उन्हें एक दूसरे की जरूरत है तथा, इज़रायल के लिए अमेरिका से जुदा विदेश नीति की कल्पना कभी यथार्थ में तब्दील नहीं हो सकती।**

ब्राउन विश्वविद्यालय के शोध के अनुसार, 2023 के अंत से 2025 के अंत के बीच इज़रायल को लगभग 21.7 अरब डॉलर की अतिरिक्त आपातकालीन सहायता भी मिली। इसमें ईरान के साथ हालिया संघर्ष और लेबनान में सैन्य अभियानों की लागत शामिल नहीं है।

दुनिया की सबसे सक्षम वायु सेनाओं में गिनी जाने वाली इज़रायल की वायु शक्ति मूल रूप से अमेरिकी रक्षा उद्योग पर आधारित है। उसके सभी प्रमुख लड़ाकू विमान-एफ-15, एफ-16 और एफ-35 तथा अपाचे हेलीकॉप्टर, ब्लैक हॉक और हवाई ईंधन भरने वाले विमान अमेरिका में निर्मित हैं। यहां तक कि नियमित रखरखाव के लिए भी उसे स्पेयर पार्ट्स, इंजन और रडार उपकरणों के लिए अमेरिकी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर रहना पड़ता है।

गोला-बारूद की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। सटीक निशाना लगाने वाली किट, भूमिगत बंकरों को नष्ट करने वाले बम और हाल के अभियानों में इस्तेमाल किए गए छोटे आकार के बम मुख्यतः अमेरिका द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। जब इज़रायल ने ईरान की गहराई में स्थित परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाने की कोशिश की, तब उसके पास आवश्यक भारी क्षमता वाले बम नहीं थे और उसे अमेरिकी सहायता पर निर्भर होना पड़ा।

यहां तक कि इज़रायल की प्रसिद्ध आयरन डोम रक्षा प्रणाली भी, भले ही देश में विकसित की गई हो, अमेरिकी कंपनी आर.टी. एक्स के साथ साझेदारी में बनाई जाती है। अमेरिका ने इस कार्यक्रम में नियमित सहायता से अलग अरबों डॉलर का निवेश किया है। इसके कई प्रमुख इंटरसेप्टर पुर्जे अमेरिका में बनाए जाते हैं और भारी हमलों के दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

आग चाहिए, जोखिम नहीं प्रमथ्यु की प्रतीक्षा में बैठा समाज

हम कुछ मित्र हर शाम एक पार्क में मिलते हैं। अपने सुख दुख की बातें करते हैं, हंसी मज़ाक करते हैं, दुनिया जहान की बातें करते हैं। बातचीत में समकालीन प्रसंग भी आ ही जाते हैं। देश और दुनिया में इतना कुछ घटित होता रहता है, उससे अछूता और अप्रभावित रहना लगभग नामुमकिन होता है। कभी भ्रष्टाचार की तो कभी बेरोज़गारी की, कभी पेपर लीक की तो कभी मंदिर के तथाकथित आर्थिक घोटाले की, कभी सांप्रदायिकता की तो कभी स्त्रियों के प्रति दुर्व्यवहार की, कभी अतार्किक गोपनीयता की तो कभी उजागर हुए घपलों की या ऐसे ही किसी मुद्दे की चर्चा होने लगती है। हर चर्चा में बहस होती है, उत्तेजना होती है, स्पष्ट रूप से पक्ष और विपक्ष होता है, लेकिन मैंने यह बात नोट की है कि अगर मुद्दा सरकार से जुड़ा हो तो हर बार कोई न कोई मित्र एक सवाल ज़रूर उठाता है: "विपक्ष क्या कर रहा है? और अगर कभी चर्चा सरकार से इतर किसी मुद्दे की चले तो एक अन्य वाक्य सुनने को मिल जाता है: "किसी को तो आगे आना चाहिए!"

जब भी ऐसा होता है, अनायास मुझे यूनानी मिथकीय चरित्र प्रमथ्यु याद आ जाता है। बहुत संक्षेप में बताऊं तो यह कि प्रमथ्यु देवताओं से अग्नि चुराकर मनुष्यों को देता है। यहां अग्नि केवल आग नहीं है, वह ज्ञान, तकनीक, विवेक, सभ्यता और स्वतंत्रता की प्रतीक है। प्रमथ्यु की इस 'चोरी' के लिए देवताओं के राजा ज्यूस उसे बहुत कठोर दण्ड देते हैं। दण्ड यह है कि उसे एक चट्टान से बांध दिया जाता है और प्रतिदिन एक गिद्ध उसका कलेजा नोचता है। यह कथा हमें बताती है कि प्रमथ्यु द्वारा चुरा कर लाई हुई आग का लाभ तो पूरी मानवता ने उठाया है लेकिन दंड अकेले प्रमथ्यु ने भुगता। इस कथा को हिंदी कवि धर्मवीर भारती ने अपनी लम्बी कविता 'प्रमथ्यु गाथा में बहुत ही प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया है। उसे तलाश करके ज़रूर पढ़ें।

प्रमथ्यु की यह कथा मैंने इसलिए याद की कि 'लाभ तो हम सब उठाएं लेकिन उसका मोल कोई एक ही चुकाए की यह मानसिकता आज की नहीं है। अगर अपने समाज को थोड़ी बारीक नज़र से देखें तो कोई भगत सिंह हो, कोई महात्मा गांधी हो, कोई जयप्रकाश नारायण हो, कोई अरुणारॉय हो, कोई भी व्हिसलब्लोअर हो – दूसरा ही हो। हम तो बस सवाल उठाते रहें कि अमुक क्या कर रहा है! सड़क पर कचरा पड़ा हो, जो हमने ही बिखेरा है, तब भी हम सरकार को कोसने से बाज नहीं आते हैं। सड़क पर अतिक्रमण होते देखते हैं, देखते क्या मौका लगते ही ख़ुद भी कर लेते हैं, लेकिन पूछते हैं कि सरकार अतिक्रमण क्यों नहीं हटाती है। हम जात–पांत, सांप्रदायिकता, धर्मांधता, बेहूदगी, बदतमीज़ी, बेईमानी, मुनाफाखोरी, जमाखोरी सब में लिप्त रहते हैं लेकिन यह सवाल पूछने से ख़ुद को कभी नहीं रोकते कि इस मामले में अमुक क्या कर रहा है?

कभी सोच कर देखें, सरकार क्या है, विपक्ष क्या है? क्या ये हमसे अलग हैं? भारत जैसे प्रजातंत्र में क्या हम ही सरकार नहीं हैं? क्या हम ही विपक्ष नहीं हैं? कभी हमने यह भी सोचने का कष्ट किया है कि हम क्या कर सकते थे, और हमने क्या नहीं किया! एक नागरिक के रूप में हम भी तो सूचना के अधिकार का उपयोग कर सकते हैं, हम भी तो जनहित याचिका दायर कर सकते है, हम भी तो भ्रष्टाचार के विरुद्ध खड़े हो सकते हैं, हम भी तो मुनाफ़ाखोरी के विरुद्ध बोल या लिख सकते हैं, हम भी तो पर्यावरण को बचाने में अपना योग दे सकते हैं। हम अपनी मायड भासा राजस्थान की मान्यता के लिए सरकार को गरियाते रहते हैं, लेकिन हम ख़ुद उसे बरतने में कृपणता दिखाते हैं। हम यह कहते नहीं थकते कि आजकल लोग पढ़ते नहीं हैं, हम कभी यह सवाल नहीं करते कि हम ख़ुद कितना पढ़ते हैं! हमारी सारी शिकायतें और सारी अपेक्षाएं दूसरों से होती हैं। दूसरों से अर्थात सरकार से, विपक्ष से, मीडिया से, स्वयंसेवी संगठनों से, पड़ोसियों से – और भी न जाने किन–किन से। बस, अपने गिरेबां में झांककर देखने से हम चूक जाते हैं।

हम यह कहते नहीं थकते कि आजकल लोग पढ़ते नहीं हैं, हम कभी यह सवाल नहीं करते कि हम ख़ुद कितना पढ़ते हैं! हमारी सारी शिकायतें और सारी अपेक्षाएं दूसरों से होती हैं। दूसरों से अर्थात सरकार से, विपक्ष से, मीडिया से, स्वयंसेवी संगठनों से, पड़ोसियों से - और भी न जाने किन-किन से। बस, अपने गिरेबां में झांककर देखने से हम चूक जाते हैं।

असल में बात यह है कि दोष केवल सरकार का या विपक्ष का या मीडिया का या धर्म का या सामाजिक संगठनों का नहीं है। मैं इन सबको थोक में क्लीन चिट नहीं दे रहा हूँ। लेकिन आपको यह सोचने के लिए कह रहा हूं कि क्या हमारी अपनी मानसिकता यह नहीं है कि जो करना है वह कोई और करे। मेहनत कोई और कर, जोखिम कोई और उठाए, कीमत कोई और चुकाए, बदनामी कोई और सहे, पप्पू कोई और कहलाए, टोंटी चोर किसी और को कहा जाए, उपहास का पात्र कोई और बने, जेल कोई और जाए, गोली कोई और खाए। लेकिन अगर स्थितियाँ बदलकर बेहतर हो जाएँ तो उसका लाभ हम लें। तब एक पल को ही यह न सोचें, कि इस बदलाव के लिए हमने क्या किया था!

भारत एक प्रजातंत्र है। अगर हम अतीत में न भी जाएं तो लगभग साढ़े सात दशक से तो प्रजातंत्र है ही। क्या हमने कभी यह सोचा है कि केवल हर पाँचवें साल जाकर मतदान कर आना प्रजातंत्र नहीं होता है। अपने प्रजातंत्र को ज़िंदा और सक्रिय रखने के लिए हमें और भी काफी कुछ करना होता है। हमें सवाल पूछने होते हैं, हमें स्थानीय समस्याओं पर आवाज़ उठानी होती है, हमें अपने जन प्रतिनिधियों से संवाद करना और उन्हें अपनी अपेक्षाओं से अवगत कराना होता है, उन्हें टोकना होता है, हमें जनहित के मुद्दों पर वातावरण बनाना होता है, हमें सही काम करने वालों को संबल प्रदान करना होता है। यह सही है कि आज जन प्रतिनिधियों तक पहुंच पाना आसान नहीं है। लेकिन जन प्रतिनिधियों की हमसे यह दूरी अचानक पैदा नहीं हुई है। इसमें हमारी निष्क्रियता का भी योगदान कम नहीं है। डॉ बशीर बद्र साहब का एक खूबसूरत शेर है:–'सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा/ इतना मन चाहो उसे वो बेवफ़ा हो जाएगा! अगर हमारे जन प्रतिनिधि हमारी पहुंच से बाहर हो गए हैं तो इसके ज़िम्मेदार भी हम ही हैं। हमने उन्हें ऐसा हो जाने दिया है।

हमें ख़ुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि अगर हममें से हरेक ही किसी और प्रमथ्यु की प्रतीक्षा करता रहेगा तो आग लाएगा कौन? यह सच है कि हर समाज को प्रमथ्यु की ज़रूरत होती है, और यह भी सच है कि हममें से हरेक प्रमथ्यु नहीं हो सकता। लेकिन क्या हम प्रमथ्यु का साथ देने वाले, उसे अपना समर्थन देने वाले, उसका उत्साह बढ़ाने वाले भी नहीं बन सकते? क्या हम प्रमथ्यु को दंडित करने वाले अत्याचारी राजा ज्यूस का विरोध नहीं कर सकते? विरोध न सही, उसे नापसंद भी नहीं कर सकते? अपने समाज में हम देखते हैं कि जो प्रमाणिक रूप से भ्रष्ट हैं उनके प्रति भी हम अपनी स्पष्ट नापसंदगी व्यक्त नहीं करते हैं। आज तो हालत यह है कि हमें आग तो चाहिए, लेकिन आग लाने वाले के घावों की हम परवाह नहीं करते।

सवाल उठाना ज़रूरी है कि सरकार क्या कर रही है, विपक्ष क्या कर रहा है, न्यायपालिका, मीडिया और सामाजिक संगठन क्या कर रहे हैं। लेकिन इसके साथ एक प्रश्न और जुड़ना चाहिए–हम क्या कर रहे हैं? क्या हम स्वयं सवाल पूछ रहे हैं? क्या हम सही बात कहने वालों के साथ खड़े हैं? क्या हम उन लोगों का समर्थन करते हैं जो सार्वजनिक हित में जोखिम उठाते हैं? या हम केवल दर्शक बने रहना चाहते हैं?

कोई भी समाज इसलिए कमजोर नहीं होता कि उसके पास प्रमथ्यु कम हैं। वह तब कमजोर होता है जब वह अपने हर प्रमथ्यु को अकेला छोड़ देता है। इतिहास को आगे बढ़ाने वाले लोग हमेशा अल्पसंख्यक रहे हैं, लेकिन इतिहास की गति को रोकने वाली चीज़ बहुसंख्यक की उदासीनता रही है। यह उदासीनता टूटे और हममें से हर व्यक्ति अपने हिस्से की जिम्मेदारी स्वीकार करे–शायद यही हमारे समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

एआई, रोजगार और बाज़ार: क्या दुनिया धीरे-धीरे एक साइलेंट मंदी की तरफ बढ़ रही है?

सुनील दत्त गोयल

आज दुनिया सिर्फ तकनीक के बदलने का दौर नहीं देख रही, बल्कि पूरी आर्थिक व्यवस्था बदलने के दौर से गुजर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई, मशीन लर्निंग और ऑटोमेशन अब केवल आईटी कंपनियों तक सीमित चीज़ें नहीं रह गई हैं। बैंकिंग, मीडिया, शिक्षा, स्वास्थ्य, ट्रांसपोर्ट, ग्राहक सेवा, फैक्ट्री, लॉजिस्टिक्स और यहाँ तक कि क्रिएटिव फील्ड में भी एआई तेजी से अपनी जगह बना रहा है।

कंपनियाँ इसे खर्च कम करने, तेज़ फैसले लेने और कम कर्मचारियों में ज्यादा काम करने के साधन के रूप में देख रही हैं। निवेशकों को भी इसमें भविष्य की अर्थव्यवस्था दिखाई दे रही है। लेकिन इसी उत्साह के बीच एक बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है– क्या हम अनजाने में उस आर्थिक व्यवस्था को ही कमजोर कर रहे हैं, जिस पर पूरा बाज़ार टिका हुआ है?

असल में दुनिया की अर्थव्यवस्था सिर्फ मशीनों से नहीं चलती। उसका असली आधार आम आदमी की कमाई और उसका खर्च होता है। अगर तकनीक तेजी से इंसानी नौकरियों की जगह लेने लगे और पैसा कुछ सीमित लोगों तक सिमटने लगे, तो आने वाले समय में दुनिया एक ऐसी साइलेंट रिसेशन यानी धीमी और अंदर ही अंदर बढ़ने वाली मंदी की तरफ जा सकती है, जिसका असर बहुत गहरा हो सकता है।

अर्थव्यवस्था का असली आधार: आम आदमी का खर्च

अर्थशास्त्र का एक बहुत सीधा सिद्धांत है– जो व्यक्ति कमाता है, वही खर्च करता है और वही बाजार को चलाता है। इसे सर्कुलर फ्लो ऑफ इनकम कहा जाता है।

किसी कर्मचारी की सैलरी सिर्फ उसकी व्यक्तिगत कमाई नहीं होती। वही पैसा किराने की दुकान तक जाता है, मकान किराया बनता है, बच्चों की फीस बनता है, गाड़ी खरीदने में लगता है, अस्पताल, मोबाइल रिचार्ज, कपड़े और मनोरंजन तक पहुँचता है। यही पैसा आगे दूसरे लोगों की आय बन जाता है।

वर्ल्ड बैंक और आई एम एफ के अनुसार भारत की जीडीपी का लगभग 57 से 60 प्रतिशत हिस्सा लोगों के निजी खर्च से आता है। अमेरिका जैसे देशों में यह आँकड़ा लगभग 68 प्रतिशत तक है। इसका मतलब साफ है– अगर आम आदमी की कमाई कमजोर होती है, तो बाजार की मांग भी कमजोर होने लगती है।

यानी अर्थव्यवस्था केवल फैक्ट्री और उत्पादन से नहीं चलती, बल्कि लोगों की खरीदने की क्षमता से चलती है। और यह क्षमता सीधे रोजगार से जुड़ी होती है।

एआई से काम बढ़ रहा है, लेकिन नौकरियाँ घटने का डर भी बढ़ रहा है

एआई के समर्थक अक्सर कहते हैं कि हर नई तकनीक नई नौकरियाँ पैदा करती है। यह बात कुछ हद तक सही भी है। औद्योगिक क्रांति, कंप्यूटर और इंटरनेट ने भी नई संभावनाएँ पैदा की थीं। लेकिन एआई की गति और उसका दायरा पहले की तकनीकों से कहीं ज्यादा बड़ा है।

McKinsey Global Institute की रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक दुनिया में 40 से 80 करोड़ नौकरियाँ ऑटोमेशन से प्रभावित हो सकती हैं। वहीं का अनुमान है कि जनरेटिव एआई लगभग 30 करोड़ फुल–टाइम नौकरियों के बराबर काम को प्रभावित कर सकता है।

World Economic Forum keâer "Future of Jobs Report 2023" 2023 कहती है कि अगले पाँच सालों में लगभग 23 प्रतिशत नौकरियाँ बदल जाएँगी। करीब 6।9 करोड़ नई नौकरियाँ बनेंगी, लेकिन 8।3 करोड़ नौकरियाँ खत्म भी हो सकती हैं।

सबसे बड़ा असर अब व्हाइट कॉलर जॉब्स पर दिखाई देने लगा है। पहले मशीनें फैक्ट्री का काम करती थीं, लेकिन अब कंटेंट राइटिंग, कस्टमर सपोर्ट, डेटा एनालिसिस, अकाउंटिंग, डिज़ाइनिंग, लीगल रिसर्च और बेसिक प्रोग्रामिंग जैसे क्षेत्रों में भी एआई इंसानी काम की जगह लेने लगा है।

दुनिया की कई बड़ी टेक कंपनियाँ पिछले दो सालों में हजारों कर्मचारियों की छंटनी कर चुकी हैं। कई कंपनियाँ खुलकर कह रही हैं कि वे कम कर्मचारियों और ज्यादा एआई वाले मॉडल पर जा रही हैं।

भारत के लिए यह खतरा ज्यादा बड़ा क्यों है?

भारत की स्थिति विकसित देशों से अलग है। यहाँ हर साल लाखों युवा नौकरी की तलाश में बाजार में आते हैं। CMIE के अनुसार भारत में युवाओं के बीच बेरोजगारी कई बार 15 से 20 प्रतिशत तक दर्ज की गई है।

भारत में एक नौकरी केवल एक व्यक्ति की कमाई नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार का सहारा होती है। ऐसे में अगर एआई शुरुआती स्तर की नौकरियों को तेजी से खत्म करने लगे, तो इसका असर सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक भी होगा।

विशेष चिंता की बात यह है कि एआई सबसे पहले उन्हीं नौकरियों को प्रभावित कर रहा है जो दोहराव वाले काम हैं। और भारत का सर्विस सेक्टर काफी हद तक इसी मॉडल पर आधारित है। BPO, बैक ऑफिस, बेसिक कोडिंग, डेटा एंट्री और ग्राहक सहायता जैसे क्षेत्रों में करोड़ों युवा काम करते हैं।

अगर कोई कंपनी पहले 100 कर्मचारियों से काम कर रही थी और अब 25–30 कर्मचारियों और एआई टूल्स से वही काम करने लगे, तो कंपनी का खर्च जरूर कम होगा। लेकिन बाकी लोगों की कमाई भी खत्म हो जाएगी। यहीं से समस्या केवल रोजगार की नहीं रहती, बल्कि बाजार की मांग की बन जाती है।

2008 की मंदी ने दुनिया को क्या सिखाया था?

2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी आज भी दुनिया के लिए एक बड़ा सबक मानी जाती है। अमेरिका में सब–प्राइम लोन संकट और Lehman Brothers जैसी बड़ी वित्तीय संस्थाओं के गिरने से पूरी दुनिया हिल गई थी।

लेकिन असली समस्या तब शुरू हुई जब लोगों की नौकरियाँ गईं और खर्च कम होने लगा। लोगों ने घर खरीदना बंद किया, कार खरीदना बंद किया और खर्च सीमित कर दिया। जब बाजार में मांग घटी, तो उत्पादन भी घट गया और कंपनियाँ संकट में आ गईं।

यानी अर्थव्यवस्था का असली इंजन आम आदमी का खर्च है। अगर लोगों की जेब कमजोर होती है, तो बड़े–बड़े उद्योग भी लंबे समय तक नहीं टिक पाते। आज का खतरा थोड़ा अलग है। यह अचानक आने वाला संकट नहीं है। यह धीरे–धीरे बढ़ने वाला दबाव है। इसलिए इसे साइलेंट रिसेशन कहा जा सकता है।

साइलेंट रिसेशन आखिर है क्या?

साइलेंट रिसेशन ऐसी स्थिति होती है जहाँ ऊपर से सब कुछ सामान्य दिखाई देता है। शेयर बाजार बढ़ रहा होता है, कंपनियों का मुनाफा भी अच्छा दिखता है, लेकिन जमीन पर लोगों की वास्तविक कमाई और नौकरी की स्थिरता धीरे–धीरे कमजोर होती जाती है। मान लीजिए कोई कंपनी एआई की मदद से अपने 70 प्रतिशत कर्मचारियों को हटाकर भी काम चलाने लगे। शुरुआती समय में कंपनी का मुनाफा बढ़ सकता है। निवेशक खुश होंगे। शेयर की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

लेकिन वे 70 प्रतिशत लोग जो पहले वेतन पा रहे थे, अब बाजार में पहले जैसे ग्राहक नहीं रहेंगे। वे नया घर खरीदने से बचेंगे, गाड़ी नहीं लेंगे, बच्चों की महंगी पढ़ाई कम करेंगे और खर्च घटा देंगे।

धीरे–धीरे इसका असर हर क्षेत्र पर पड़ेगा:–

रियल एस्टेट की मांग घटेगी

ऑटोमोबाइल सेक्टर प्रभावित होगा

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ेगा

खुदरा बाजार कमजोर होगा

सबसे पहले छोटे और मध्यम उद्योग प्रभावित होंगे

यह असर धीरे–धीरे बढ़ता है, इसलिए शुरुआत में दिखाई नहीं देता। लेकिन अंदर ही अंदर पूरी आर्थिक गति कमजोर होने लगती है।

आज कंपनियाँ एआई को खर्च कम करने के साधन के रूप में देख रही हैं। लेकिन यहाँ एक बड़ा विरोधाभास भी है।

जिस कर्मचारी को हटाकर कंपनी पैसा बचा रही है, वही व्यक्ति बाजार में उसका ग्राहक भी था।

आर्थिक चक्र कुछ इस तरह चलता है:–

कर्मचारी आय खर्च बाजार कंपनी की कमाई

अगर इस चक्र की पहली कड़ी कमजोर हो जाती है, तो आखिर में कंपनियों की कमाई भी प्रभावित होने लगती है।

यानी कंपनियाँ अल्पकालिक मुनाफे के लिए दीर्घकालिक बाजार को कमजोर कर सकती हैं।

क्या एआई अमीर और गरीब के बीच दूरी बढ़ाएगा?

Oxford Economics और OECD जैसी संस्थाओं ने कई बार चेतावनी दी है कि एआई से उत्पादकता तो बढ़ेगी, लेकिन अगर सही नीतियाँ नहीं बनीं तो असमानता भी तेजी से बढ़ सकती है।

तकनीक का सबसे ज्यादा लाभ उन लोगों को मिलेगा जिनके पास पूँजी, उच्च कौशल और डेटा का नियंत्रण है। दूसरी तरफ कम और मध्यम कौशल वाले लोगों पर दबाव बढ़ सकता है।

दुनिया पहले ही "K-shaped recovery" देख चुकी है, जहाँ समाज का एक वर्ग तेजी से ऊपर जाता है जबकि दूसरा वर्ग पीछे छूटता जाता है। एआई इस दूरी को और बढ़ा सकता है।

समाधान क्या हो सकते हैं?

इस समस्या का समाधान एआई को रोकना नहीं है। तकनीक को रोका नहीं जा सकता। असली सवाल यह है कि उसका इस्तेमाल किस तरह किया जाए।

1. बड़े स्तर पर नई स्किल सिखाने की जरूरत

सरकार और कंपनियों को मिलकर लोगों को नए कौशल सिखाने होंगे। डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, रोबोटिक्स, एआई मैनेजमेंट, हेल्थ टेक और ग्रीन टेक जैसे क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

2. इंसान और एआई साथ काम करें

एआई को इंसानों की जगह लेने वाली तकनीक नहीं, बल्कि इंसानों की क्षमता बढ़ाने के साथ उनके सहयोगी के तौर पर तकनीक के रूप में अपनाना होगा।

3. एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करना

भारत में एमएसएमई सेक्टर लगभग 11 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। अगर छोटे उद्योग कमजोर होते हैं, तो रोजगार संकट और गहरा सकता है।

4. Universal Basic Income जैसे विचारों पर चर्चा

दुनिया के कई देशों में अब न्यूनतम आय सुरक्षा यानी ठहर्ग्नेर्ंत ैग्म घ्हम्दस पर गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है।

5. आम आदमी की क्रय शक्ति बचाना सबसे जरूरी

किसी भी आर्थिक नीति का अंतिम उद्देश्य केवल जीडीपी बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि लोगों की कमाई और खरीदने की क्षमता को मजबूत रखना होना चाहिए।

एआई मानव इतिहास की सबसे शक्तिशाली तकनीकों में से एक बन सकता है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और उत्पादन में बड़े बदलाव ला सकता है। लेकिन अगर इसका इस्तेमाल केवल लागत घटाने और इंसानी श्रम को हटाने के लिए किया गया, तो यह आर्थिक संतुलन को कमजोर भी कर सकता है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था मशीनों से नहीं चलती। वह लोगों की कमाई, उनके भरोसे और उनके खर्च से चलती है। अगर बड़ी संख्या में लोग आर्थिक चक्र से बाहर होने लगते हैं, तो विकास की रफ्तार धीरे–धीरे कमजोर पड़ जाएगी, चाहे तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो।

चीन की अदालतों ने स्पष्ट किया है कि केवल इस आधार पर किसी कर्मचारी को नौकरी से निकालना या उसके पद और वेतन में भारी कटौती करना अवैध है कि उसका कार्य अब आर्टीफिशल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा किया जा सकता है। अदालतों का मानना है कि तकनीकी प्रगति और स्वचालन के बावजूद कर्मचारियों के श्रम अधिकारों की रक्षा करना नियोक्ताओं की जिम्मेदारी है, और एआई को मानव कर्मचारियों के स्थान पर लाने मात्र को नौकरी समाप्त करने का वैध आधार नहीं माना जा सकता। दुनिया के सभी देशों को भी ऐसी नीतियों पर विचार करना चाहिए। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत तकनीकी प्रगति और मानवीय संतुलन के बीच सही रास्ता चुनने की है। भविष्य केवल एआई का नहीं है, बल्कि इंसान और एआई के साथ मिलकर आगे बढ़ने का है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

उड़ान के लिए खतरा बनते पक्षी

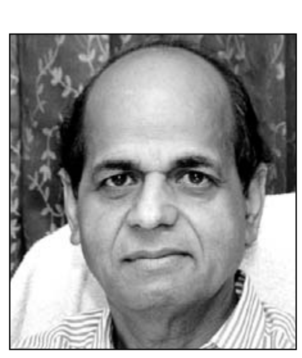

डॉ. कैलाश चंद सैनी

आसमान में उड़ते पक्षी विमानन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी बन सकते हैं। हर वर्ष होने वाली सैकड़ों बर्ड स्ट्राइक की घटनाएँ यह बताती हैं कि यह महज़ संयोग नहीं, बल्कि हमारी पर्यावरणीय और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है।

गत दिनों जयपुर के सांगानेर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री विमान के पंखों से पक्षियों का झुंड टकरा गया। कुछ क्षणों के लिए सैकड़ों यात्रियों की सांसें थम गईं। सौभाग्य से पायलट की त्वरित सूझबूझ और कुशल निर्णय ने एक बड़े हादसे को टाल दिया। लेकिन इस घटना ने नागरिक उड्डयन सुरक्षा के उस गंभीर पहलू की ओर फिर से ध्यान खींचा है, जिसे हम अक्सर महज़ संयोग मानकर टाल देते हैं।

विमानन की भाषा में इसे 'बर्ड स्ट्राइक' कहा जाता है – एक ऐसी समस्या जो केवल जयपुर या भारत तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक नागरिक उड्डयन उद्योग के लिए एक महंगी और जानलेवा चुनौती बन चुकी है। भारत में हर वर्ष एक हजार से अधिक बर्ड स्ट्राइक की घटनाएँ दर्ज होती हैं। यह संख्या अपने बताती है कि हमारे हवाई सुरक्षा प्रबंधन में अभी भी कई खामियाँ मौजूद हैं।

रफ्तार की अपनी कीमत होती है

विमानों और पक्षियों का यह टकराव उतना ही पुराना है जितना उड़ान का इतिहास। विडंबना यह है कि मनुष्य ने उड़ने की प्रेरणा पक्षियों से ही ली, लेकिन जैसे ही उसने आकाश में प्रवेश किया, वही पक्षी उसके लिए चुनौती बन गए।

प्रारंभिक दौर में विमानों की गति कम थी। पक्षियों को रास्ते से हटने का पर्याप्त समय मिल जाता था और नुकसान अधिकतर विंडशील्ड तक सीमित रहता था। लेकिन जेट युग ने इस समीकरण को बदल दिया।

आज के आधुनिक विमान अत्यंत तीव्र गति से उड़ते हैं। उनके टरबाइन इंजन हल्के, जटिल और अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। ऐसी स्थिति में एक छोटा–सा पक्षी भी जब विमान से टकराता है, तो उसका प्रभाव किसी प्रक्षेप्य (मिसाइल) जैसा हो सकता है।

कौन हैं ये 'अनचाहे हवाई यात्री'?

यह समझना जरूरी है कि पक्षी कभी जानबूझकर विमानों से नहीं टकराते। वे तो स्वाभाविक रूप से अपने भोजन, घोंसले और सुरक्षित ठिकानों की तलाश में रहते हैं। समस्या तब पैदा होती है जब मनुष्य की अव्यवस्थित गतिविधियाँ उन्हें एयरपोर्ट क्षेत्र की ओर आकर्षित करती हैं।

भारत में बर्ड स्ट्राइक की घटनाओं में मुख्यत: निम्न पक्षी प्रजातियाँ अधिक शामिल पाई जाती हैं –

चील और बाज – गंभीर घटनाओं में इनकी भूमिका सबसे अधिक होती है। एयरपोर्ट के आसपास खुले कचरे और मांस–मच्छी के अवशेष इन्हें आकर्षित करते हैं। ये ऊँचाई पर गर्म हवा की धाराओं में मंडराते रहते हैं और अक्सर विमानों के टेक–ऑफ मार्ग में आ जाते हैं।

कबूतर और टिटहरी – कबूतर भवनों और ऊँचे ढाँचों में घोंसले बना लेते हैं, जबकि टिटहरी रनवे किनारे घास में अंडे देती है। विमान की गर्जना से ये अचानक उड़ान भरते हैं और सीधे इंजन के मार्ग में आ जाते हैं।

बगुले, मैना और कौवे – बारिश के मौसम में रनवे के आसपास पनपने वाले कीड़े–मकोड़े इन्हें आकर्षित करते हैं। समूह में इनकी उपस्थिति जोखिम को कई गुना बढ़ा देती है।

दुनिया के बड़े हवाई अड्डों पर पक्षियों को दूर रखने के लिए अनेक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। जॉन एफ केनेडी इन्टरनेशनल एयरपोर्ट से लेकर हीथ्रो हवाई अड्डे तक इसके लिए विशेष व्यवस्थाएँ विकसित की गई हैं।

शेलक्रैकर और रॉकेट बॉम्ब – ये विशेष ध्वनि–उत्पादक पटाखे होते हैं जिन्हें दागकर तेज आवाज और प्रकाश उत्पन्न किया जाता है, ताकि पक्षी भयभीत होकर उड़ जाएँ।

डिस्ट्रेस कॉल्स – लाउडस्पीकर पर पक्षियों की संकट ध्वनियाँ बजाई जाती हैं, जिससे झुंड को खतरे का आभास हो।

एवियन रडार सिस्टम – अब ऐसे आधुनिक रडार विकसित हो चुके हैं जो पक्षियों के झुंड की दिशा, ऊँचाई और घनत्व का पूर्वानुमान देकर पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को चेतावनी दे सकते हैं। लेकिन इन तकनीकों की भी सीमाएँ हैं। पक्षी जल्दी सीख जाते हैं। कुछ समय बाद वे समझ जाते हैं कि यह शोर केवल भ्रम है, खतरा नहीं। जयपुर और देश के अन्य हवाई अड्डों को सुरक्षित बनाने के लिए तात्कालिक उपायों से आगे बढ़कर दीर्घकालिक और बहुस्तरीय नीति अपनानी होगी।

बर्ड स्ट्राइक नियंत्रण की त्रिसूत्रीय रणनीति – एयरपोर्ट के आसपास खुले डंपिंग यार्ड, बूचड़खाने, होटल कचरा और खुले डस्टबिन पक्षियों के सबसे बड़े आकर्षण हैं। एयरपोर्ट के कम से कम 10 किलोमीटर दायरे में ठोस कचरा प्रबंधन को अनिवार्य और सख्ती से लागू करना होगा।

रनवे के आसपास घास की ऊँचाई वैज्ञानिक मानकों के अनुसार रखी जानी चाहिएन बहुत ऊँची, न बहुत नीची। जलभराव समाप्त करने के लिए त्वरित जल निकासी व्यवस्था भी जरूरी है, ताकि कीट–पतंगों और केंचुओं का जमाव न हो। रूस्टर–बूस्टर, ड्रोन सर्विलांस और एवियन रडार को एकीकृत कर एक स्मार्ट बर्ड मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया जाना चाहिए, ताकि दिन–रात और कोहरे जैसी परिस्थितियों में भी पक्षियों की गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके।

जयपुर एयरपोर्ट की हालिया घटना महज़ एक चेतावनी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संकेत है कि हम अब भी बर्ड स्ट्राइक को पर्याप्त गंभीरता से नहीं ले रहे। हर बार हम पायलट की सूझबूझ और भाग्य पर निर्भर नहीं रह सकते। विमान सुरक्षा केवल कॉकपिट की जिम्मेदारी नहीं है। यह एयरपोर्ट प्रशासन, नगर निकायों, पर्यावरण प्रबंधन और नागरिक अनुशासनसभी की साझा जवाबदेही है। अब समय आ गया है कि बर्ड स्ट्राइक को प्राकृतिक दुर्घटना कहकर टालना बंद किया जाए। सच यह है कि अधिकांश मामलों में यह प्रकृति की नहीं, हमारी प्रशासनिक और पर्यावरणीय अव्यवस्था की देन है। यदि हमने अभी भी नहीं सीखा, तो अगली चेतावनी शायद इतनी उदार न हो।

–डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वरिष्ठ लेखक एवं पूर्व मुख्य शोध एवं संदर्भ अधिकारी
राजस्थान विधानसभा, जयपुर।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 22 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 10:22 तक, व्यतिपात योग दिन 10:31 तक, बव करण दिन 3:40 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मिथुन, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–वृष, बुध–मिथुन, गुरू–कर्क, शुक्र–कर्क, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज दुर्गाष्टमी, धूमावती जयन्ती, व्यतिपात पुण्य है। आज बुध कर्क में दिन 3:53 पर प्रवेश करेगा। आज से राष्ट्रीय आषाढ़ मास प्रारम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:20 तक, शुभ 9:03 से 10:46 तक, चर 2:11 से 3:54 तक, लाभ अमृत 3:54 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:19

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

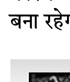

धनु

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

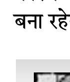

मकर

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

बीकानेर-अहमदाबाद (साबरमती) एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ

बीकानेर, (कासं)। केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा केन्द्रीय विधि एवं न्याय एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने रविवार को बीकानेर रेलवे स्टेशन से बीकानेर-लालगढ़-अहमदाबाद (साबरमती) एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ करते हुए ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेल मंत्रालय द्वारा राजस्थान के सीमांत क्षेत्रों को मजबूत रेल नेटवर्क से जोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना पर कार्य किया जा रहा है। इसके तहत बीकानेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर और बाड़मेर जिलों के अनेक गांवों को रेलवे सुविधा से जोड़ने का काम हाथ में लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना की डीपीआर बनाने सहित विभिन्न प्रक्रियाएं प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि जादूगरों को जादू करने दो, हम अपना काम कर रहे हैं, हमें अपना काम करने दो। केन्द्र सरकार राजनीति के बजाय विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और जनता से किए गए वादों को पूरा कर रही है। नई रेल सेवा गुजरात के अहमदाबाद, महसाणा, पाटन एवं बनासकांठा जिलों तथा राजस्थान के जालौर, बालोतरा, जोधपुर, नागौर और बीकानेर जिलों के यात्रियों को लाभान्वित करेगी। ट्रेन के प्रमुख ठहराव साबरमती, महेसाणा, पाटन, भीलड़ी, धानेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरान, जालौर, मोकलसर, समदड़ी, लूणी, जोधपुर, गोटन, मेड़ता रोड, नागौर, नोखा, बीकानेर एवं लालगढ़ स्टेशन होंगे। लगभग 740 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस नई रेल सेवा के प्रारंभ होने से बीकानेर और अहमदाबाद के बीच दैनिक रेल संपर्क स्थापित हो गया है।

बीकानेर-अहमदाबाद (साबरमती) एक्सप्रेस को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वैष्णव ने कहा कि बॉर्डर एरिया को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए तेजी से काम चल रहा है। देश की सीमाओं तक रेल सेवा पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अनूपगढ़ और खाजूवाला तक रेल सेवा शुरू करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नई रेगुलर ट्रेन से सीधे अहमदाबाद जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। वहीं अनूपगढ़ और खाजूवाला में रेल सेवा के लिए तैयार की जा रही है।

लम्बे समय से बीकानेर को अहमदाबाद से जोड़ने की मांग की जा रही थी। अब बीकानेर से साबरमती के लिए प्रतिदिन रेल सेवा शुरू की गई है। इससे यात्रियों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि बीकानेर, नोखा, नागौर, जोधपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को अहमदाबाद तक सीधी सुविधा मिलेगी।

■ **नई रेल सेवा से बीकानेर, नोखा, नागौर, जोधपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को अहमदाबाद तक सीधी सुविधा मिलेगी**

अश्विनी वैष्णव ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपने 60 वर्षों के कार्यकाल का लेखा-जोखा देखना चाहिए और मोदी सरकार के 12 वर्षों के काम की तुलना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लिए पर्याप्त बजट नहीं मिलता था। उन्होंने कहा कि रेलवे विस्तार, विद्युतीकरण और नई रेल लाइनों के निर्माण से प्रदेश के आधारभूत ढांचे को मजबूती मिली है।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

बीकानेर, (कासं)। सड़क हादसों में मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अलग-अलग घटनाओं में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई।

रिडमलसर पुरोहितान निवासी रजाक समेजा और आरिफ मांगलिया बाइक पर सवार होकर जयपुर-जोधपुर बाईपास से गुजर रहे थे। इस दौरान नापासर चौराहे से आगे जोड़बीड की तरफ पीछे से आ रही कार के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर सवार रजाक समेजा की मौत हो गई। आरिफ घायल हो गया जिसे पीबीएम अस्पताल में इलाज के बाद घर भेज दिया गया। दुर्घटना के बाद कार चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। इमरान की रिपोर्ट पर व्यास कॉलोनी पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

दूसरी घटना लाल पुलिस थाना क्षेत्र की है। हरि चरनन निवासी राधाकिशन मेघवाल की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि का छोटा भाई त्रिलोक मेघवाल दिल्ली में मार्बल का काम करता है। त्रिलोक बाइक पर सवार होकर बीकानेर की ओर जा रहा था। इस दौरान गांधी प्रयोग के पास ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए जिससे बाइक टकरा गई। त्रिलोक के गले पर गंभीर चोटें आई। पीबीएम अस्पताल में दम तोड़ दिया।

सार-समाचार

योगगुरू संजय गंगवाल सम्मानित

सुर्दशना नगर स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में योगसाधक संजय गंगवाल को योगगुरू अलंकरण से सम्मानित किया।

बीकानेर, (कासं)। स्थानीय सुर्दशना नगर स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में रविवार को विश्व योग दिवस पर सभी आयुवर्गों के पुरूष, महिलाओं ने उत्साहपूवर्क योगाभ्यास किया। समिति के सचिव शंकर सेवग ने बताया कि योगसाधक, राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी संजय गंगवाल ने लगभग 60 मिनट तक विभिन्न प्रकार के योग आसन साधकों से करवाये जिनमें, शारीरिक व्यायाम के साथ साथ सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, ताड़ासन, उतनापदान, पवन मुक्तासन, कधाराजन सहित अनेकों आसन एवं शारीरिक व्यायाम करवाये। इस अवसर पर गंगवाल ने कहा कि स्वस्थ शरीर, शांत मन एव सकारात्मक जीवन के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि स्वस्थ एव संतुलित जीवन जीने की कला है। योग समाप्ति के बाद शहीद भगत सिंह पार्क विकास समिति के सदस्य जसपाल अरोडा, मनीष जांगिड़ ने पुष्पहार पहनाकर, अध्यक्ष आनन्द कुमार शुक्ला ने श्रीफल व एडवोकेट राजेश श्रीवास्तव, सुरेन्द्र श्रीमाली ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। शंकर सेवग ने कहा कि इस अवसर पर महिलाओं ने भी पूर्ण उत्साह से योग कार्यक्रम में पूरा सहयोग रहा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 12 वर्ष पूर्व विश्व योग दिवस की नींव रखी थी। आज पूरा विश्व एक साथ इसे मना रहा है। कई विश्व रिकॉर्ड बन रहे हैं। इस अवसर पर पवन शर्मा, नवीन जांगिड़, जसपाल मेहता, दिव्या अरोड़ा, उर्मिला पाल, शांति लाल कोचर, पंकज जांगिड़ सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

शिविर में 175 लोगों ने रक्तदान किया

माहेश्वरी सभा के रक्तदान शिविर का रामेश्वर नंद महाराज, साइबर सेल सीओ अधीक्षक शालिनी बजाज ने शुभारंभ किया।

बीकानेर, (कासं)। माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर्व विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी बृहद स्तरीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जस्सूसर गेट के अंदर स्थित मोहता जसवंत भवन में सुबह 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक किया गया था। आज शहर सभा शिविर में 175 लोगों ने रक्तदान कर पिछला 120 का रिकॉर्ड तोड दिया। आज के शानदार शिदिर से प्रभावित होकर कोठारी हॉस्पीटल की ब्लड बैंक जीवन ज्योति ब्लड बैंक की ओर से संस्था माहेश्वरी शहर सभा को ग्यारह हजार का चैक भेंट किया। माहेश्वरी सभा अध्यक्ष अनिल सोनी झूमरसा ने बताया कि रक्तदान शिविर के उद्घाटन अवसर पर जहां एक और दाता रामेश्वर नंद महाराज, साइबर सेल पुलिस उप अधीक्षक शालिनी बजाज, जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष डी. पी. पच्चीसिया, नूतन चिलर उपस्थित थे। वही शहर सभा अध्यक्ष झूमरसा, रक्तदान शिविर कार्यक्रम संयोजक आज्ञाराम पेड़ीवाल, पंकज भूतड़ा तथा इंद्रकुमार चांडक आदि ने संयुक्त रूप से भगवान महेश के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा माहेश्वरी सभा वर्तमान में स्थापित एक नए ट्रस्ट जिसका नाम बीकानेर माहेश्वरी वेलफेयर ट्रस्ट के पोस्टर का विमोचन किया गया।

करणी मां मंदिर प्रांगण में योगाभ्यास

देशनोक, (कासं)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर पालिका देशनोक ने करणी माता मंदिर प्रांगण में योग किया। इस कार्यक्रम में नगरवासियों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों सहित लोगों ने उत्साहपूर्वक सामूहिक योगाभ्यास किया। सुबह आयोजित इस कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान क्रियाओं का अभ्यास किया। योग दिवस की थीम योग: कर्मसु कौशल के अनुसार उपस्थित लोगों को योग के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान करणी माता मंदिर परिसर का वातावरण योगमय हो गया। सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने का संकल्प लिया, जिससे स्वस्थ और निरोगी जीवन का संदेश दिया। नगर पालिका द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और प्रबंधन की भी लोगों ने सराहना की। वक्ताओं ने इस अवसर पर कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करती है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को योग के प्रति जागरूक करना और एक स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देना था। योग उत्सव के सफल आयोजन से देशनोक में स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का प्रेरणादायक संदेश फैला। यह कार्यक्रम नगर पालिका देशनोक द्वारा आयोजित किया गया था।

पीबीएम की बदहाल व्यवस्थाओं के खिलाफ बीकानेर बंद की चेतावनी

बीकानेर,(कासं)। पीबीएम अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाओं के खिलाफ चल रहा 'पीबीएम सुधारो आंदोलन' 11वें दिन और अधिक उग्र हो गया। धरनास्थल पर पहुंचे पूर्व मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला और जिला कांग्रेस कमेटी हनुमानगढ़ के जिलाध्यक्ष मनीष गोदारा (मक्कासर) ने प्रशासन और सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए चेतावनी दी कि यदि अस्पताल सुधार से जुड़ी 10 सूत्रीय मांगों पर जल्द कार्रवाई कर सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन को बड़ा रूप दिया जायेगा।

पीबीएम सुधारो आंदोलन के 11वें दिन धरना स्थल पर सभा को पूर्व मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने सम्बोधित किया।

धरने को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने कहा कि संभाग के सबसे बड़े अस्पताल की दुर्दशा पर सरकार और प्रशासन आंखें मूंदे बैठे हैं। मरीज परेशान हैं, सुविधाएं बदहाल हैं और जिम्मेदार अधिकारी केवल आश्वासन देने में लगे हैं। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि 10 सूत्रीय मांगों को जल्द नहीं माना गया तो बीकानेर बंद की घोषणा की जायेगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

वहीं हनुमागढ़ जिलाध्यक्ष मनीष गोदारा (मक्कासर) ने भी कड़ा रूख अपनाते हुए कहा कि पीबीएम अस्पताल की अव्यवस्थाओं ने पूरे संभाग की जनता को परेशान कर रखा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो हनुमानगढ़ सहित पूरे संभाग से हजारों लोग बीकानेर पहुंचेंगे और जिला कलेक्ट्रेट का घेराव कर प्रशासन को अस्पताल सुधार करने के लिए मजबूर करेंगे। आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि लगातार ग्यारह दिनों से धरना चल रहा है, लेकिन प्रशासन ने अभी तक समस्याओं के समाधान को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि जनता के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार की चुप्पी अब बर्दाश्त नहीं की जायेगी और मांगें पूरी होने तक संघर्ष लगातार जारी रहेगा। धरनास्थल से साफ संदेश दिया गया कि अब केवल आश्वासनों से काम नहीं चलेगा।

मारपीट मामले में हिस्ट्रीशीटर रिमांड पर

नोखा, (कासं)। पुलिस ने मोबाइल छीनने और मारपीट के मामले में एक हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को शनिवार को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

नोखा थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि बीरमसर निवासी प्रहलाद गोदारा ने 28 फरवरी 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार सार्वजनिक पुस्तकालय के सामने बाइक को लेकर उसका बीकासर निवासी कमल नायक और अन्य लोगों से विवाद हो गया था। विवाद के दौरान आरोपियों ने प्रहलाद के साथ मारपीट की और उसका मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश की गई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी कमल नायक को नोखा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी कमल नायक नोखा थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ नोखा थाने में लूट, मारपीट, चोरी और अन्य आपराधिक धाराओं में कुल 8 मुकदमे दर्ज हैं।

गंगाशहर अस्पताल में शुरू होगी प्रसूति विंग

बीकानेर, (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेन्द्र वर्मा ने जन अभाव अभियोग सतर्कता समिति के सदस्य मोहन सुराणा के साथ गंगाशहर सैटेलाइट अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने घोषणा की है कि अस्पताल में जल्द ही प्रसूति विभाग (मेटनरनिटी विंग) की समुचित सुविधाएं शुरू की जायेगी। विभाग के संचालन के लिए अस्पताल अधीक्षक डॉ. मुकेश वाल्मीकि से आवश्यक डॉक्टरों और संसाधनों की रिपोर्ट ली गई है। मोहन सुराणा ने बताया कि अस्पताल में लेबर रूम, ऑपरेशन थिएटर, प्री व पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, कॉटेज और वेटिंग हॉल जैसी सभी बुनियादी सुविधाएं पहले से उपलब्ध हैं।

गंगाशहर नागरिक परिषद द्वारा अस्पताल के विकास में बेहतरीन कार्य करवाये गए हैं। यह अस्पताल आस-पास के 10 गांवों की लगभग 2 लाख से अधिक आबादी के लिए लाइफलाइन है। यदि जरूरत पड़ी तो सांसद-विधायक कोटे और भामाशाहों के सहयोग से और संसाधन जुटाए जायेंगे। यहां सुविधाएं बढ़ने से पीबीएम अस्पताल पर मरीजों का भार कम होगा।

■ **विभाग के संचालन के लिए अस्पताल अधीक्षक डॉ. मुकेश वाल्मीकि से आवश्यक डॉक्टरों और संसाधनों की रिपोर्ट ली**

ट्रेंड मिडवाइफ की होगी तैनाती, खाली पद भरने की मांग पर प्रिंसिपल डॉ. वर्मा ने अस्पताल में प्रसव सुविधाएं बहाल करने के लिए जल्द ही ट्रेंड मिडवाइफ तैनात करने का भरोसा दिया। उन्होंने आभा, आईएचएमएस और मां योजना का अधिकतम लाभ उठाकर आरएमआरएस की आय बढ़ाने के निर्देश दिए। वहीं अधीक्षक डॉ. मुकेश वाल्मीकि ने बताया कि अस्पताल में 3 पद खाली हैं। सुचारू संचालन के लिए कम से कम एक गायनी डॉक्टर, एक गायनी एसआर, तीन मेडिकल ऑफिसर और एक सर्जरी एसआर की सख्त जरूरत है।

डोडा-पोस्त पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला

खाजूवाला, (कासं)। खाजूवाला थाना पुलिस की टीम पर शनिवार को अवैध डोडा पोस्त पकड़ने के दौरान हमला हो गया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि चक 24 बीडी-ए में एक परिवार मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त का अवैध कारोबार करता है। सूचना पर खाजूवाला थाना एसएचओ सुरेन्द्र प्रजापत अपनी टीम के साथ चक 24 बीडी-ए में भूराराम ज्यानी की ढाणी पहुंचे। पुलिस टीम को देखते ही परिवार के लोग इकट्ठा हो गए। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए पुलिसकर्मियों पर लाठी और लात-मुक्कों से हमला कर दिया।

इस दौरान हुए पथराव में पुलिस की गाड़ी के शीशे टूट गए। पुलिस ने विरोध के बावजूद मौके से 4.245 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है। मामले में मुख्य आरोपी भूराराम और उसके बेटे विकास को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पर हमला करने के आरोप में उषा, सरोज और अमन को पहले शांति भंग में पकड़ा गया था। जिनकी अब मूल मुकदमे में गिरफ्तारी की जा चुकी है। खाजूवाला थाने में पुलिसकर्मियों से मारपीट, राजकीय कार्य में बाधा और डोडा पोस्त बरामदगी के दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इन मुकदमों की जांच पूगल थाना एसएचओ समरवीर सिंह को सौंपी गई है।

■ **आरोपियों के पथराव में पुलिस की गाड़ी के शीशे टूट गए**

नहर में डूबे युवक का शव नहीं मिला

गजनेर, (कासं)। आरडी 820 नहर में डूबे एक युवक का शव दूसरे दिन भी बरामद नहीं हो सका। एसडीआरएफ और पुलिस की टीमें लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं लेकिन देर शाम तक उन्हें कोई सफलता नहीं मिली।

यह घटना शुक्रवार दोपहर की है, जब नहर में एक युवक के गिरने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही गजनेर पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल एसडीआरएफ टीम को सूचित किया गया। हैड कांस्टेबल जगदीश एसडीआरएफ टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और नहर में सघन तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान गजनेर थाने के एएसआई गजेन्द्र सिंह भी मौके पर मौजूद रहे । टीम ने दिनभर नहर में विभिन्न स्थानों पर तलाश किया लेकिन शव नहीं मिला।

जसरासर में बारिश से जलभराव, मुख्य रास्ता बंद होने से परेशान

जसरासर, (कासं)। जसरासर क्षेत्र में हुई भारी बारिश के बाद कई गलियों में जलभराव हो गया। ब्राह्मणों के मोहल्ले की मुख्य गली में पानी भरने से आवाजाही बाधित हो गई, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों ने प्रशासन से तत्काल पानी निकालने की मांग की है।

लोगों ने बताया कि दिनभर की उमस और गर्मी के बाद करीब साढ़े चार बजे मौसम ने अचानक करवट ली और मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। इस बारिश से जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। वहीं किसानों के चेहरे भी खिल उठे। हालांकि बारिश के कारण गांव की कई गलियों में पानी भर गया, जिससे आवाजाही प्रभावित हुई।

■ **स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बूस्टर लगाकर पानी बाहर निकालने और जलभराव का स्थायी समाधान करने की मांग की**

आसपास के घरों के लोगों ने प्रशासन से इस गली से पानी निकालने का आग्रह किया है। स्थानीय निवासी गिरधारी लाल तिवाड़ी और सोनू तिवाड़ी ने बताया कि यह एक आम रास्ता है, जिसका उपयोग आंखों के अस्पताल, पुलिस थाना, के. आर. स्कूल, कॉलेज, बीकानेर, नापासर, साधासर और डूंगरगढ़ जाने वाले यात्री बस स्टैंड तक पहुंचने के लिए करते हैं। रास्ता बंद होने के कारण महिलाओं और बच्चों सहित सभी यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से बूस्टर लगाकर पानी बाहर निकालने और इस समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

वहीं लूणकरनसर में हंसेरा की रोही में हुई बारिश के बाद एक खेत में जमीन धंसने की घटना सामने आई है। किसान संतराम भोभरिया के खेत में लगभग आधा बीघा जमीन पर 2 से ढाई फीट चौड़ी और काफी लम्बी दरार बन गई है। अचानक बनी दरार को देखकर आसपास के किसान भी मौके पर पहुंच गए। यह दरार लगभग आधा बीघा क्षेत्र में फैली हुई है। संतराम ने इस घटना की जांच की मांग की।

नियमित योग से व्यक्ति तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन जी सकता है : मेघवाल

बीकानेर, (कासं)। 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार सुबह डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में जिला स्तरीय मुख्य समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय रेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय विधि एवं न्याय व संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सामूहिक योगाभ्यास कर आमजन को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास, कोलायत विधायक अंशुमान सिंह, श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, सुमन छाजेड़, श्याम पंचारिया, उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ, जिला प्रभारी सचिव हेमंत कुमार गेरा, आईजी ओमप्रकाश, जिला कलेक्टर निशांत जैन, एसपी मृदुल कच्छावा, रेलवे डीआरएम गौरव गोविल, नगर निगम कमिश्नर सिद्धार्थ पलानीचामी, एडीएम प्रशासन उम्मेद सिंह रतनू, एसडीएम महिमा कसाना, बीडीए उपायुक्त कुणाल राहड़, निगम उपायुक्त दमयंती, कोषाधिकारी धीरज जोशी, श्याम सिंह हाडला, सत्यप्रकाश आचार्य, विजय आचार्य, चंपालाल गेदर, अशोक प्रजापत, तोलाराम कूकना, संतोषानन्द, आयुर्वेद विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ राधेश्याम, सहायक निदेशक डॉ जितेन्द्र सिंह भाटी, डॉ इरशाद रफीक, जिला खेल अधिकारी सुरेन्द्र हर्ष समेत अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। केन्द्रीय मंत्रियों ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। मेघवाल ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को मजबूती मिलती है तथा व्यक्ति तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन जी सकता है।

बीकानेर के करणी सिंह स्टेडियम में जिला स्तरीय योग कार्यक्रम में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने योगाभ्यास किया।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने योग संकल्प करवाया। कार्यक्रम में विभिन्न योग आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास योग प्रशिक्षकों आयुर्वेद विभाग से डॉ संतोष शेषमा, योग गुरू दीपक शर्मा के निर्देशन में कराया।

नापासर में 450 नई स्ट्रीट लाइटें लगाई

नापासर, (कासं)। नापासर नगर पालिका क्षेत्र में साल 2025-26 की बजट घोषणा के तहत स्वीकृत 500 नई सड़क लाइटों में से 450 लाइटों की स्थापना का कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष लाइटों को भी जल्द ही स्थापित किया जायेगा। व्यवस्था से कस्बे के बाजारों, मुख्य रास्तों और आवासीय गलियों में रोशनी बढ़ी है, जिससे आमजन को काफी राहत मिली है।

अधिशासी अधिकारी अल्का बुरड़क ने बताया कि आमजन और जनप्रतिनिधियों की मांग के अनुरूप नगर पालिका क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर सड़क लाइटें लगाई गई हैं। जिन स्थानों पर बिजली पोल तो थे, लेकिन वायरिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। वहां पहले आवश्यक बिजली तार लगाने का कार्य कराया गया। इसके बाद उन खंभों पर नई लाइटें लगाई गई। मंत्री सुमित गोदारा के प्रयासों से पालिका क्षेत्र में लाइटें लग पाई है।

शिविर में 25 नाम शुद्धि और 10 खाता विभाजन का निपटारा

कालू, (कासं)। राज्य सरकार के निर्देश पर आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का माध्यम बन रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत रावांसर में लगे शिविर में नाम शुद्धि और खाता विभाजन के वर्षों पुराने मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया।

रावांसर ग्राम विकास अधिकारी मनीष गोदारा ने जानकारी दी कि रावांसर पटवार मंडल के 25 नाम शुद्धि और 10 खाता विभाजन के प्रकरणों का शिविर में निपटारा हुआ। राजस्व अभिलेखों में वर्षों से नाम की त्रुटि या खाता विभाजन न होने के कारण ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई आ रही थी। इसके चलते उनके कई आवश्यक कार्य भी रूके हुए थे।

बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने परिवार के साथ शिविर में पहुंचे और नाम शुद्धि तथा खाता विभाजन के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने मौके पर ही रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेजों की जांच कर सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया।

ग्रामीणों ने शिविर की व्यवस्था की सराहना करते हुए बताया कि वर्षों से लंबित उनके काम एक ही दिन में पूरे हो गए। शिविर में पटवार, राजस्व और पंचायत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे, जिन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनका समाधान किया। इसके अतिरिक्त, पानी, बिजली और चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी मौके पर ही आमजन की समस्याओं का समाधान कर राहत प्रदान की।

नसीराबाद में टैंकरों से अवैध रूप से गैस रीफिलिंग का खुलासा, पांच हिरासत में

दो टैंकर, एक मालवाहक वाहन और 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त, बड़े हादसे की आशंका टली

अजमेर, (निसं)। नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र में पुलिस और रसद विभाग की संयुक्त कार्रवाई में टैंकरों से अवैध रूप से गैस रीफिलिंग किए जाने के बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि दो गैस टैंकर, एक मालवाहक वाहन तथा 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। मामले में रसद विभाग की ओर से सदर थाना में प्रकरण दर्ज कराया गया है और पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुट गई है।

नसीराबाद पुलिस ने टैंकरों से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग मामले में पांच जनों को हिरासत में लिया।

- अधिकारियों ने जब गैस की जांच की तो पता चला कि टैंकरों में अत्यंत ज्वलनशील प्रोपलीन गैस भरी हुई थी
- ज्वलनशील प्रोपलीन गैस को घरेलू, व्यावसायिक उपयोग के लिए एलपीजी गैस के रूप में सिलेंडरों में भरा जा रहा था

जानकारी के अनुसार सदर थाना पुलिस को रविवार को सूचना प्राप्त हुई कि झड़वासा गांव स्थित हरिओम होटल एवं रेस्टोरेंट के पास दो बड़े गैस टैंकर खड़े हैं तथा वहां 19 किलोग्राम क्षमता वाले व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में गैस भरने की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और रसद विभाग को भी इसकी जानकारी दी गई। सूचना पर जिला रसद अधिकारी नीरज जैन, रेणुका चतुर्वेदी, अतुल बढ़ाया तथा प्रकाश देवनानी भी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों गैस टैंकरों से बिना किसी वैधानिक माप-तौल व्यवस्था के सीधे व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में गैस भरी जा रही थी। अधिकारियों ने जब गैस की जांच की तो पता चला कि टैंकरों में अत्यंत ज्वलनशील प्रोपलीन गैस भरी हुई थी, जिसे घरेलू और व्यावसायिक उपयोग के लिए एलपीजी गैस के रूप में सिलेंडरों में भरा जा रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार प्रोपलीन गैस में किसी प्रकार की गंध नहीं होती है। ऐसे में गैस रिसाव होने पर आसपास मौजूद लोगों को इसकी जानकारी नहीं मिल पाती और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

कार्रवाई के दौरान मौके से एक मालवाहक वाहन और 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर भी बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों टैंकरों के चालकों सहित कुल पांच लोगों सर्वेश सिंह, मुनिवर खान, शिव प्रताप बिश्नोई, लक्ष्मण राम और सुभाष बिश्नोई को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों गैस टैंकर मथुरा स्थित बॉटलिंग संयंत्र से रवाना होकर गुजरात के धूमाद क्षेत्र की ओर जा रहे थे। रास्ते में झड़वासा गांव के पास अवैध रूप से गैस निकालकर सिलेंडरों में भरी जा रही थी। रसद विभाग की रिपोर्ट के आधार पर सदर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस अवैध कारोबार के पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं तथा इससे पहले कितनी बार इस प्रकार गैस की अवैध रिफिलिंग की जा चुकी है। पुलिस और रसद विभाग की इस संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध गैस कारोबार करने वालों में हडकंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भीलवाड़ा में तूफान ने तबाही मचाई

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर में बीती रात आए तेज आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है। बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जहां तेज हवाओं के झोंके से एक गरीब परिवार के आशियाने की छत धराशायी हो गई। छत गिरने से भारी-भरकम पत्थर नीचे आ गिरे। गनीमत यह रही कि हादसे के वक्त परिवार के सदस्य घर के बाहर खाना खा रहे थे, जिससे कई जानें बच गईं। हालांकि, इस मलबे की चपेट में आने से एक सात वर्षीय मासूम बच्ची का हाथ फ्रैक्चर हो गया है, जिसे परिजनों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

- बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती में मकान की छत ढही, एक मासूम घायल

हादसे का मंजर बयां करते हुए पीड़ित निवासी सीमा बैरवा की आंखें भर आईं। उन्होंने बताया: मैं अपनी बच्ची के साथ कमरे के भीतर ही बैठी थी। अचानक कमरे की दीवारें हिलने लगीं। अनहोनी का अहसास होते ही मैं बच्ची को लेकर तुरंत बाहर की तरफ भागी। हमारे बाहर निकलते ही पूरी छत और दीवार भरभराकर गिर गई। अगर एक सेकंड की भी देरी होती, तो मैं और मेरी बच्ची जिंदा नहीं बचते। बड़े-बड़े पत्थर गिरते देख हम बुरी तरह सहम गए।

स्थानीय निवासी लीला ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने बताया कि इस कॉलोनी में पिछले एक महीने के भीतर यह दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले भी एक मकान की दीवार ढह चुकी है। बारिश का मौसम शुरू हो चुका है, जिससे कच्ची बस्ती के जर्जर मकानों पर खतरा और बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद अब तक प्रशासन का कोई भी अधिकारी मौका मुआयना करने नहीं पहुंचा है। बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती के निवासियों में प्रशासन के खिलाफ गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि वे लंबे समय से अपने आशियाने को सुरक्षित करने के लिए जमीन के पट्टे की मांग कर रहे हैं। कई बार लिखित और मौखिक रूप से जिला प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन हर बार उनकी मांग को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। अब मानसून की दस्तक के साथ ही पूरी बस्ती डर के साए में जीने को मजबूर है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही प्रशासन ने सुध नहीं ली, तो यहां कभी भी कोई बड़ा जनहानि का शिकार हो सकता है।

खेत में चारा काटते समय किसान की मौत

टोंक, (निसं)। घाड थाना क्षेत्र के चारनेंट गांव में रविवार को खेत पर चारा काटते समय 47 साल के किसान की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक भंवरलाल वैष्णव दर्रा बालाजी मंदिर के पुजारी थे।

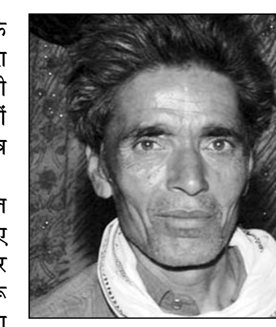

मृतक किसान

- करंट लगने की आशंका के चलते मामला दर्ज

परिजनों ने बताया कि भंवरलाल सुबह अपने खेत पर मवेशियों के लिए चारा काट रहे थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की और उन्हें खेत पर अचेत अवस्था में पाया। ग्रामीणों की मदद से उन्हें घाड़ अस्पताल ले जाया गया, जहां से दूनी रेफर कर दिया गया। दूनी अस्पताल में डॉ. सुरेश मीणा ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि भंवर लाल जिस स्थान पर चारा काट रहे थे, वहां बिजली विभाग का कृषि कनेक्शन का तार नीचे झूल रहा था। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि उनकी मौत करंट लगने से हुई है। सूचना मिलने पर घाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दूनी अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम करवाया। पंचनामा तैयार कर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

चार युवकों पर नाबालिग लड़की से गैंगरेप का आरोप

किशनगढ़ बास, (निसं)। थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को रात में घर से जबरन उठाकर खेत में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप गांव के ही चार युवकों पर है। पुलिस ने पीड़िता की दादी की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट, एससी/एसटी एक्ट और बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- घर पर सो रही नाबालिग बालिका को उठाकर खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया
- शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर की जांच शुरू

शिकायतकर्ता बुजुर्ग महिला ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे की मौत के बाद दूसरा बेटा अस्थियां विसर्जन के लिए गंगा जी गया था। 20 जून की रात घर पर वे, पुत्रवधू और 16 वर्षीय पोती थीं। रात करीब 12 बजे गांव के ही मुजाहिद और उसका चाचा मोहम्मद दीवार फांदकर घर में घुस आए और सो रही नाबालिग को मुंह दबाकर जबरन उठा ले गए। आरोप है पीड़िता को पास के खेत में ले जाया गया, जहां पहले से दो अन्य युवक मौजूद थे। इनमें से एक की पहचान आबिद के रूप में हुई है, जबकि दूसरे की पहचान अभी नहीं हो पाई है। आरोप है कि चारों आरोपियों ने नाबालिग के साथ मारपीट की, धमकी दी और सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी पीड़िता को वहीं छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता 21 जून को सुबह करीब 4 बजे रोती हुई घर पहुंची और दादी को आपबीती बताई। इसके बाद परिजनों के साथ थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी गई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

डीएसपी लालसिंह यादव ने बताया कि दलित नाबालिग बालिका के साथ गैंगरेप का मामला थाना किशनगढ़ बास में दर्ज हुआ है। बालिका का चिकित्सकों द्वारा मेडिकल करवाया गया है तथा मामले में जांच प्रारम्भ कर दी है।

हादसे में तीन युवक घायल

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में बर्ड सेंचुरी रिंग रोड पर एक कार और तेज रफ्तार बाइक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया।

यह दुर्घटना शनिवार देर रात इंडस्ट्रियल एरिया मोड़ के पास बर्ड सेंचुरी मोड़ पर हुई। तेज रफ्तार पावर बाइक और कार की जोरदार टक्कर के बाद बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। उन्हें हाथ, पैर और सिर में गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती कराया। घायल युवक लोलकपुर गांव के निवासी बताए जा रहे हैं।

बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में तीन दिन में दूसरी प्रसूता की मौत

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम हॉस्पिटल में रविवार को तीन दिनों के भीतर दूसरी प्रसूता की मौत हो गई। हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता शारदा (26) वेंटीलेटर पर थी, जिसने रविवार शाम को दम तोड़ दिया। इससे पहले तबीयत बिगड़ने पर शुक्रवार को प्रसूता प्रीति की मौत हो गई थी। हॉस्पिटल में बीते एक महीने के भीतर सिजेरियन डिलीवरी के बाद 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। हालांकि इनमें से 2 महिलाओं को तबीयत में सुधार होने पर छुट्टी दे दी गई थी।

- सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता की किडनी फेल हुई थी जो वेंटीलेटर पर थी

जानकारी के अनुसार, शारदा को प्रसव के बाद से ही गंभीर हालत में पीबीएम अस्पताल में भर्ती कर वेंटीलेटर पर रखा गया था। पिछले कई दिनों से उसकी हालत गंभीर थी। डॉक्टर्स के अनुसार, उसकी प्लेटलेट्स लगातार कम हो रही थीं और शरीर में ऑक्सीजन का स्तर भी गिर गया था। शनिवार को उसकी तबीयत अधिक बिगड़ने पर डॉक्टरों ने गले में नली डालकर उसे अतिरिक्त ऑक्सीजन सपोर्ट दिया था। इसके बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और रविवार शाम करीब छह बजे उसने दम तोड़ दिया।

पीबीएम अस्पताल में प्रसूताओं की किडनी और अन्य अंग प्रभावित होने के मामले को लेकर पहले से ही जांच चल रही है। इस प्रकरण में पहले प्रीति की मौत हो चुकी है, जो करीब 20 दिनों तक वेंटीलेटर पर रही थी। उसके लीवर और किडनी पर भी गंभीर असर पड़ा था। मामले को लेकर हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से जांच जारी है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया के अनुसार, मरीजों के इलाज के लिए हरसंभव प्रयास किए गए थे, लेकिन प्रथम दृष्टया मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर महिला की मौत का कारण माना जा रहा है। किडनी के बाद अन्य अंगों ने भी काम करना बंद कर दिया। इस कारण महिला को ऑक्सीजन सपोर्ट देने की कोशिश की जा रही थी। हालांकि मामले में मृतका के परिजनों ने घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बांध में डूबने से किशोर की मौत

टोंक, (निसं)। निवाई उपखण्ड में स्थित भगवान देवनारायण मंदिर जोधपुरिया के पीछे स्थित मांशी बांध में 16 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रतापपुरा निवासी चेतन पुत्र राधेश्याम मीणा के रूप में हुई है, जो 12वीं कक्षा का छात्र था।

निवाई सदर थाना प्रभारी हरिमन मीणा ने बताया कि चेतन रविवार दोपहर करीब 12 बजे अपने साथी अभिषेक के साथ देवधाम जोधपुरिया आया था। दोनों मांशी बांध में नहा रहे थे, इसी दौरान चेतन की एक चप्पल पानी में बह गई। उसे निकालने के प्रयास में वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। दूसरे घाट पर नहा रहे कुछ श्रद्धालुओं ने चेतन को पानी से बाहर निकाला। उसे तत्काल राजकीय उप जिला अस्पताल निवाई ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पाली में बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते लेखा सहायक ट्रैप

जयपुर/पाली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए पाली जिले के रोहट स्थित ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (बीसीएमओ) कार्यालय में कार्यरत लेखा सहायक (संविदाकर्मी) को बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में बीसीएमओ की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, जिसके बाद उनके आवास पर तलाशी ली गई, लेकिन कार्रवाई की भनक लगने पर वे फरार हो गए। एसीबी उनकी तलाश में जुटी हुई है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि रविवार को एसीबी पाली द्वितीय टीम ने यह कार्रवाई की। जहां एसीबी चौकी पाली द्वितीय को शिकायत मिली थी कि परिवादी की ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय रोहट में टेंडर के माध्यम से लगी वाहन सेवा को लगातार संचालित रखने तथा अप्रैल से जून माह तक के लंबित बिलों को पास करवाने की एवज में कार्यालय के लेखा सहायक (संविदाकर्मी) देवकीनन्दन शर्मा बीस हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी पाली द्वितीय के प्रभारी (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) देरावर सिंह एवं उनकी टीम ने ट्रैप की योजना बनाई और रविवार को कार्रवाई करते हुए लेखा सहायक (संविदाकर्मी) देवकीनन्दन शर्मा को परिवादी से बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

एसीबी के अनुसार आरोपित लेखा सहायक (संविदाकर्मी) ने रिश्वत की राशि प्राप्त करने के बाद उसे ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय की नई इमारत की प्रथम मंजिल पर रखी एक लकड़ी की दराज में छिपा दिया था। एसीबी टीम ने मौके पर पहुंचकर उक्त राशि बरामद कर ली। वहीं जांच के दौरान बीसीएमओ डॉ. हार्दिक राजपुरोहित की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। इस पर एसीबी जोधपुर शहर इकाई के प्रभारी किशन सिंह (उप अधीक्षक पुलिस) के नेतृत्व में उनके आवास पर तलाशी ली गई। हालांकि कार्रवाई की जानकारी मिलने पर डॉ. राजपुरोहित फरार हो गए। एसीबी ने उनकी तलाश शुरू कर दी है।

बेटे को बचाने डिग्गी में कूदी मां, दोनों की मौत

बालोतरा, (निसं)। धोरीमन्ना क्षेत्र के स्वामियों की बेरी गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। पानी से भरी डिग्गी में डूबने से मां और उसके मासूम बेटे की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छह वर्षीय बालक अपने ननिहाल में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए मां के साथ आया हुआ था। खेलते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह पानी से भरी डिग्गी में जा गिरा। बेटे को डूबता देख 32 वर्षीय मां उसे बचाने के लिए तुरंत डिग्गी में कूद गई, लेकिन पानी अधिक गहरा होने के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सके और डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय गोताखोरों और सिविल डिफेंस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मां-बेटे के शव डिग्गी से बाहर निकाले। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए दोनों शवों को धोरीमन्ना उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। यह हादसा धोरीमन्ना क्षेत्र के स्वामियों की बेरी गांव में हुआ, जहां शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं।

मुख्यमंत्री ने देवास परियोजना का हवाई निरीक्षण किया

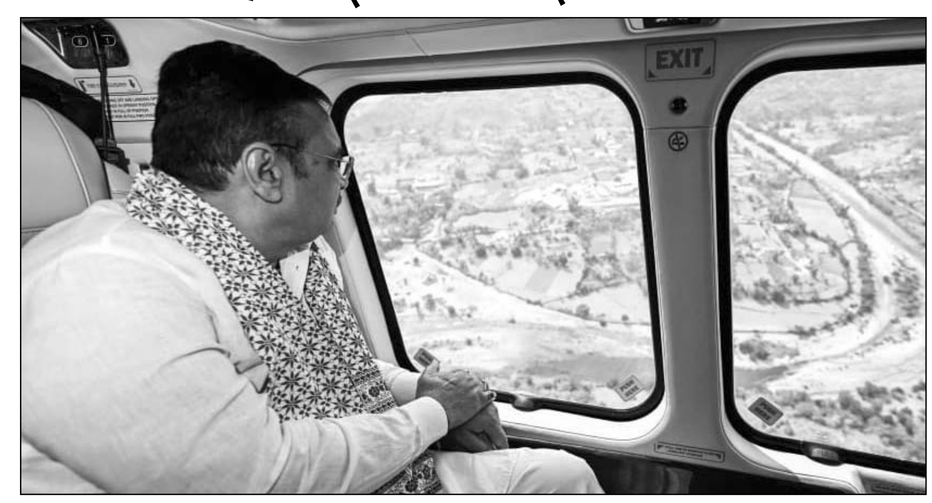

सीएम भजनलाल शर्मा ने देवास-3 एवं 4 पेयजल परियोजना का हवाई सर्वे किया।

उदयपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उदयपुर की महत्वाकांक्षी देवास-3 एवं 4 पेयजल परियोजना का हवाई निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन देवास-3 एवं देवास-4 बांधों के डैम एक्सिस तथा टनल-3 के एडिट 3.15 किमी, 5.325 किमी एवं 9.10 किमी सहित विभिन्न निर्माण स्थलों एवं कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

- सीएम भजनलाल शर्मा ने परियोजना के सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता एवं पूर्ण सुरक्षा मानकों के अनुरूप किए जाने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने हवाई निरीक्षण के दौरान परियोजना की वर्तमान प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत चर्चा की। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता एवं पूर्ण सुरक्षा मानकों के अनुरूप तेज गति से पूर्ण किए जाएं, जिससे उदयपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों की वर्तमान एवं भविष्य की पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को वरिष्ठ प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने परियोजना के अंतर्गत बांध निर्माण, टनल निर्माण, अन्य प्रमुख निर्माण कार्यों एवं पुनर्वास संबंधी विभिन्न कार्यों की प्रगति से अवगत कराया।

कठूमर के खेतों में काम कर रहे किसानों पर पैंथर का हमला, दो जने घायल

दोनों घायल किसानों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है

अलवर, (निसं)। कठूमर के बल्लूपुरा रामगढ़ गांव में रोज की तरह रविवार सुबह भी किसान अपने खेतों में काम कर रहे थे। इसी दौरान वहां छिपे बैठे एक पैंथर ने अचानक किसानों पर हमला बोल दिया। पैंथर के इस अचानक हमले से खेत में काम कर रहे चतर पुत्र निहाल सिंह यादव और बबली पुत्र बाबूलाल यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर जब आसपास के खेतों से दूसरे किसान दौड़े, तो पैंथर वहां से भाग निकला। दोनों घायल किसानों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां फिलहाल उनका इलाज चल रहा है।

धौलागढ़ थाना पुलिस, वन विभाग के एसीएफ, रेंजर और सरिस्का टाइगर रिजर्व की विशेष रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और पैंथर को पकड़ने के प्रयास शुरु किये।

- किसानों पर हमला करने के बाद पैंथर भागकर पास ही मौजूद एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ गया
- पेड़ पर डेरा जमाए बैठा है पैंथर, आसपास के गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए

किसानों पर हमला करने के बाद पैंथर भागकर पास ही मौजूद एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ गया। वह पिछले कई घंटों से उसी पेड़ पर डेरा जमाए बैठा है। जैसे ही गांव में पैंथर के आने और पेड़ पर बैठने की खबर फैली, पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते आसपास के कई गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। लोगों के मन में पैंथर को लेकर जहां एक तरफ भारी दहशत है, वहीं उसे करीब से देखने का कौतूहल भी बना हुआ है। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए धौलागढ़ थाना पुलिस, वन विभाग के एसीएफ, रेंजर और सरिस्का टाइगर रिजर्व की विशेष रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। पैंथर को सुरक्षित पकड़ने के लिए एक्सपर्ट्स और ट्रेंकुलाइज (बेहोश करने वाली) टीम भी तैनात है। वन विभाग के आला अधिकारी लगातार पेड़ पर बैठे पैंथर की हर हरकत पर नजर रख रहे हैं और उसे बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित रेस्क्यू करने का प्लान बना रहे हैं। वन विभाग और पुलिस प्रशासन ने मौके पर मौजूद भारी भीड़ को देखते हुए ग्रामीणों से पेड़ के पास न जाने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सख्त अपील की है।

अधिकारियों का कहना है कि भीड़ के शोर से पैंथर आक्रामक हो सकता है। इस घटना के बाद से बल्लूपुरा रामगढ़ और आसपास के इलाकों के किसानों व पशुपालकों में डर का माहौल है। ग्रामीणों ने मांग की है कि आबादी क्षेत्रों में सरिस्का से आने वाले वन्यजीवों की एंट्री रोकने के लिए वन विभाग नियमित गश्त बढ़ाए। फिलहाल पैंथर को काबू में करने की कोशिश लगातार जारी है। देर शाम तक पैंथर पेड ही बैठा रहा।

डूंगरपुर के तालाब में डूबने से दो चचेरी बहनों की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के मांडवा में रविवार को तालाब में डूबने से दो चचेरी बहनों की मौत हो गई। दोनों बकरियां चराने के लिए गई थीं और तालाब में नहाने उतर गई थीं।

- दोनों बकरियां चराने के लिए गई थीं और तालाब में नहाने उतर गई थीं

पुलिस के अनुसार यह घटना मांडवा में काली बाई पैनोरमा के सामने स्थित तालाब पर हुई। गर्मी अधिक होने के कारण दोनों बहनें तालाब के एक गड्ढे में भरे पानी में नहाने के लिए उतरी थीं। इसी दौरान वे गहरे पानी में डूब गईं। मृतक बच्चियों की पहचान मांडवा निवासी 12 वर्षीय उषा कोटेड के रूप में हुई है, जो 8वीं कक्षा में पढ़ती थी। दूसरी बच्ची 12 वर्षीय नयना कोटेड पुत्री दशरथ कोटेड थी, जो 7वीं कक्षा की छात्रा थी। दोनों चचेरी बहनें थीं। घटना को देखकर गांव का एक युवक दौड़कर मौके पर पहुंचा और दोनों बच्चियों को पानी से बाहर निकाला। गांव के अन्य लोग भी मौके पर जमा हो गए और तत्काल दोनों को डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों बच्चियों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ऊषा और नयना दोनों के पिता ड्राइवर है और गाड़ी चलाते है। नयना के 4 भाई-बहन है। वहीं उषा के 6 भाई-बहन हैं।

जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिखाई हरी झंडी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन से जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर रेल मंत्री ने सीकर जिले के खाटूश्यामजी क्षेत्र में सुंदरपुरा रेलवे स्टेशन के निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि नया स्टेशन खाटूश्यामजी से लगभग 11 किलोमीटर दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट बनाया जाएगा। इसके लिए भूमि का चयन कर लिया गया है तथा अगले 12 महीनों में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा दरभंगा सांसद गोपाल ठाकुर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन से जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी तथा सांसद घनश्याम तिवाड़ी व सांसद मंजू शर्मा मौजूद थे।

- **वैष्णव ने खाटूश्यामजी के लिए नए सुंदरपुरा स्टेशन की घोषणा भी की**
- **प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में हो रहा रेलवे सुविधाओं का विस्तार : सीएम भजनलाल शर्मा**

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेलवे सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सुंदरपुरा रेलवे स्टेशन बनने से खाटूश्यामजी आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि जयपुर में विकसित मेगा कोचिंग टर्मिनल रेलवे अधोसंरचना को नई मजबूती प्रदान करेगा, जहां लगभग 450 रेलगाड़ियों का अनुरक्षण किया जा सकेगा। इससे परिचालन दक्षता बढ़ेगी और यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। इस दौरान रेल मंत्री ने 205 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक मेगा कोचिंग टर्मिनल का भी लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अधोभाग जांच प्रणाली, डिब्बा अवतरण गड्ढा मशीन, समकालिक डिब्बा उत्थापन प्रणाली तथा स्वचालित डिब्बा धुलाई संयंत्र जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिनसे रेलगाड़ियों के अनुरक्षण की गुणवत्ता और क्षमता दोनों में वृद्धि होगी। वैष्णव ने सीकर रेलवे स्टेशन पर नई अनुरक्षण लाइन के निर्माण की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि इससे रेलगाड़ियों की सफाई, तकनीकी जांच और रखरखाव की सुविधाएं सुदृढ़ होंगी तथा भविष्य में नई रेल सेवाओं के संचालन और क्षेत्रीय रेल संपर्क विस्तार को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बिहार के लिए सीधी रेल सेवा की लंबे समय से मांग थी, जो अब पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि जयपुर और दरभंगा के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होने से यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी तथा रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि नई रेल सेवाएं विकसित भारत और विकसित राजस्थान के संकल्प को गति देने वाली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। वर्ष 2009 से 2014 के दौरान राजस्थान को रेलवे के लिए औसतन 682 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जो वर्ष 2026-27 में बढ़कर 10,228 करोड़ रुपये हो गया है। वर्तमान में राजस्थान में 76,800 करोड़ रुपये से अधिक लागत की रेलवे परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस के संचालन से बिहार और राजस्थान के बीच संपर्क और अधिक मजबूत होगा तथा बिहार के लाखों नागरिकों के लिए राजस्थान की यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुगम और सुविधाजनक बनेगी। कार्यक्रम के दौरान बीकानेर-साबरमती रेल सेवा को भी रवाना किया गया। बड़ी संख्या में रेल यात्रियों, जनप्रतिनिधियों तथा रेलवे अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि खातीपुरा-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस सप्ताह में छह दिन संचालित होगी।

ट्रेन संख्या 19725 खातीपुरा से शुक्रवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन रात्रि 10:30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन रात्रि 12:55 बजे दरभंगा पहुंचेगी। वहीं ट्रेन संख्या 19726 दरभंगा से रविवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन प्रातः 4:30 बजे रवाना होकर अगले दिन प्रातः 8:40 बजे खातीपुरा पहुंचेगी।

मनरेगा संविदाकर्मियों ने दी प्रदेश में आंदोलन की चेतावनी

जयपुर। मनेगा (वीबी-जीरामजी) संविदा कार्मिक संघ के प्रदेशाध्यक्ष दिनेश मीना ने चेतावनी दी है कि अगर राज्य रसकार ने शीघ्र ही सेवा नियम जारी कर कर्मचारियों का नियमितिकरण नहीं किया तो 1 जुलाई से पूरे राजस्थान में मनरेगा संविदा कार्मिकों द्वारा ''वीबी-जी राम जी'' का बहिष्कार किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना में वर्ष 2005 से कार्यरत संविदा कार्मिकों को नियमितीकरण की आस पूरी होती नजर नहीं आ रही है। पिछले 20-21 सालों में कई सरकारें आई व गई, परंतु किसी ने नियमितकरण की सुध नहीं ली। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार ने संविदा सेवा नियम 2022 बना कर हवाई घोषणाएं कर दी थी, लेकिन आज तक मनरेगा संविदा कार्मिकों का नियमितिकरण नहीं हुआ। ग्रामीण विकास विभाग से संविदात्मक पदों को नियमित पदों में संपरिवर्तन करते हुए प्रशासनिक व वित्तिय स्वीकृतियां जारी कर दी गई है, लेकिन आज तक सेवा नियम जारी नहीं हो पाये। ग्रामीण विकास मंत्री ने विधानसभा में आय-व्यय की मांग संख्या-53 के तहत ग्रामीण विकास विभाग में मनरेगा के संविदा कार्मिकों को नियमित करने के लिए सेवा नियम ग्रामीण विकास विभाग में बनाने की घोषणा की थी। इसके उपरांत सेवा नियम की पत्रावली कार्मिक विभाग से अनुमोदन होकर पिछले 2 माह से अधिक समय से वित्त विभाग में विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 1 जुलाई से पूरे प्रदेश में महात्मा गांधी नरेगा के स्थान पर ''वीबी-जी राम जी'' लागू करने जा रही है। उन्होंने कहा कि मात्र 16900 रुपये के अल्प मानदेय में वर्तमान दौर में जीवन यापन करने मुश्किल हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि सरकार जुमले बाजी करना बंद कर यथाशीघ्र नियमितकरण करे।

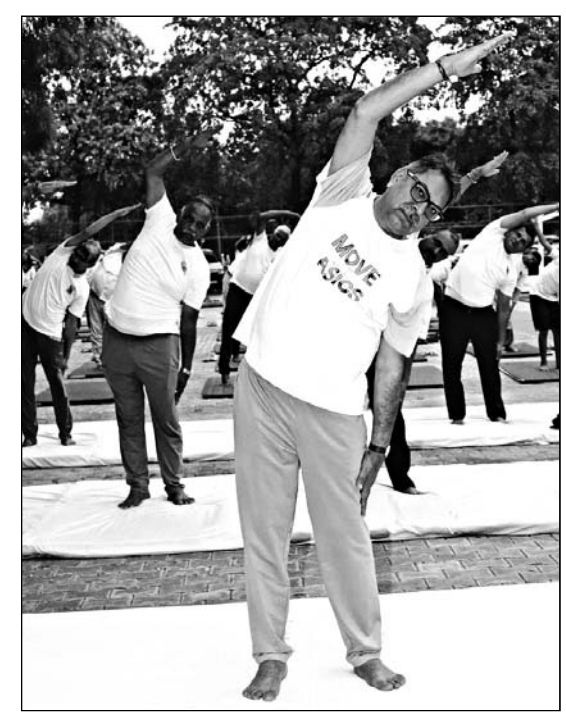

भाजपा हरियाणा प्रभारी तथा राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां ने मुरथल, सोनीपत स्थित दीनबंधु छोटूराम विश्विद्यालय में आयोजित योग कार्यक्रम में खिलाड़ियों, आमजन एवं कार्यकर्ताओं के साथ योगाभ्यास किया। इस मौके पर भाजपा हरियाणा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली, अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी बबीता फोगाट, विजेंद्र बॉक्सर, प्रदीप नरवाल, पूर्व मंत्री कविता जैन, वाइस चांसलर प्रो. प्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे।

नशे के सौदागरों पर ए.एन.टी.एफ. ने कसा शिकंजा

25 हजार का इनामी तस्कर गुजरात से गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने राज्यभर में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन जिलों में भारी मात्रा में डोडा-चूरा और प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद की हैं। इसके साथ ही एक वर्ष से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी तस्कर को गुजरात के वडोदरा से गिरफ्तार किया गया है।

एएनटीएफ पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि विशेष अभियान के तहत 'ऑपरेशन रजियांजनेय' में नागौर जिले के खींवसर क्षेत्र निवासी 27 वर्षीय हनुमान उर्फ राजू को गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2025 में श्रीगंगानगर के रजियासर थाने में दर्ज मादक पदार्थ तस्करी के मामले में वांछित हनुमान पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद वह गुजरात फरार हो गया था। इससे पहले उसे पकडने पहुंची पुलिस टीम पर हमला कर वह भाग निकला था।

- **आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में डोडा-चूरा और प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद**

पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि एएनटीएफ टीम ने तकनीकी निगरानी, ई-मित्र से मिले सुराग और वडोदरा में उसकी गतिविधियों पर नजर रखकर उसे एक पार्क से दबोच लिया। जांच में सामने आया कि पिता की मृत्यु के बाद 100 बीघा कृषि भूमि का मालिक बनने के बावजूद वह ऐशो-आराम की जिंदगी के लालच में मादक पदार्थ तस्करी के धंधे में उतर गया था। इधर फलोदी जिले के लोहावट क्षेत्र में जाखड़ों की ढाणी पलीना में कार्रवाई कर आरोपी भोमाराम जाट को गिरफ्तार कर उसके घर से 15.406 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया गया। वहीं चित्तौड़गढ़ जिले के भादसोड़ा थाना क्षेत्र में उदयपुर-चित्तौडगढ़ हाईवे स्थित एक होटल पर स्निफर डॉग की सहायता से दबिश देकर 3.780 किलोग्राम डोडा-चूरा जब्त किया गया तथा होटल संचालक लक्ष्मण राम देवासी को गिरफ्तार किया गया।उदयपुर के सूरजपोल क्षेत्र में एएनटीएफ ने ई-मित्र संचालक रवि अठवाल को स्कूटी सहित पकडकर उसके कब्जे से 40 प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल बरामद किए। आरोपी कथित रूप से स्कूटी के जरिए नशीली दवाओं की सप्लाई कर रहा था।

एएनटीएफ के महानिरीक्षक विकास कुमार ने कार्रवाई में शामिल एएनटीएफ एवं स्थानीय पुलिस टीमों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित करने की घोषणा की है। उन्होंने आमजन से अपील की कि मादक पदार्थ तस्करी या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना एएनटीएफ को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

12वीं में पास कराने का झांसा देकर छात्रा से 22 हजार रु. ठगे

जयपुर। नारायण विहार थाना क्षेत्र में 12वीं कक्षा ओपन बोर्ड से पास कराने का झांसा देकर एक छात्रा से 22 हजार रुपये ठगने और फर्जी मार्कशीट देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक प्रेमचंद के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हेड कांस्टेबल सुभाष चन्द ने बताया मानसरोवर निवासी 19 वर्षीय छात्रा ने रिपोर्ट करवाई है कि उसके पिता के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण वह नियमित पढ़ाई नहीं कर सकी थी और ओपन बोर्ड से 12वीं करना चाहती थी। इसी दौरान एक परिचित ने उसे प्रेमचंद नामक शिक्षक के बारे में बताया। आरोपी ने छात्रा और उसकी मां को नारायण विहार स्थित अपने घर बुलाकर 22 हजार रुपये में ट्यूशन सहित 12वीं की पढ़ाई और परीक्षा पास कराने का दावा किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किये मां अम्बाजी शक्ति पीठ के दर्शन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को गुजरात के बनासकांठा स्थित अम्बाजी शक्ति पीठ में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर शक्तिपीठ प्रबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए मां अम्बे की प्रतिमा भेंट की गई। कार्यक्रम के दौरान पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद मदन राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सुभाष चौक क्षेत्र में 1350 किलो विस्फोटक सामग्री जब्त

जयपुर। शहर के सुभाष चौक थाना पुलिस ने अवैध रूप से संग्रहित पटाखों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1350 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री (पटाखे) जब्त की है। पुलिस ने विभिन्न ब्रांडों के कुल 67 कार्टनों में रखे गए पटाखों को बरामद किया है। मामले में एक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) पीयूष कविया ने बताया कि यह कार्रवाई खो नागोरियान क्षेत्र में हाल ही में हुए अवैध पटाखा फैक्ट्री हादसे के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गठित विशेष टीम द्वारा की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चाणक्य मार्ग, तनसुख श्रीमाल की गली स्थित मकान नंबर 971 के एक कमरे में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी। तलाशी के दौरान कमरे से विभिन्न कंपनियों के पटाखों से भरे 67 कार्टन बरामद किए गए, जिनका कुल वजन लगभग 1350 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने समस्त सामग्री को

- **बिना लाइसेंस चल रहा था कारोबार, आरोपी फरार**

जब्त कर लिया।थानाधिकारी ओमवीर सिंह ने बताया कि जांच में सामने आया कि बरामद पटाखे रोहित अग्रवाल के कब्जे वाले कमरे में रखे हुए थे। पूछताछ में पता चला कि आरोपी बिना किसी वैध लाइसेंस के मौसमी पटाखा कारोबार कर रहा था। कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। उसके खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री का भंडारण जन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। ऐसे मामलों में लगातार निगरानी रखी जा रही है और अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल रामनिवास, कांस्टेबल प्रकाश चंद, मुकेश सिंह, कुलदीप सिंह एवं दिनेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वामी रामदेव ने आंध्रप्रदेश से किया ''योगमय राष्ट्र'' का आव्हान

विजयवाड़ा। योगऋषि स्वामी रामदेव ने आंधप्रदेश के अमरावती (विजयवाड़ा) में कृष्णा नदी क्षेत्र से योगमय राष्ट्र व योगमय विश्व का आव्हान किया।

यह कार्यक्रम पतंजलि योगपीठ तथा आंध्र प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में हुआ था। जिसमें आचार्य बालकृष्ण महाराज भी उपस्थित रहे। इस वर्ष योग दिवस की थीम ''स्वस्थ आयु के लिए योग'' रही। यूँ तो कार्यक्रम प्रातः 5 बजे से प्रारंभ हो गया था, किंतु सरकारी कार्यक्रम के योग प्रोटोकॉल अनुसार स्वामी रामदेव महाराज, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू एवं आचार्य बालकृष्ण महाराज ने 45 मिनट की मानकीकृत योग दिनचर्या का अनुपालन करते हुए लगभग हजारों योग साधकों को योग का अभ्यास कराया। प्रारंभ में प्रार्थना, ग्रीवा, कंधा, कमर और

घुटनों से सम्बंधित चालन क्रियाओं का अभ्यास कराया गया, तत्पश्चात खड़े होकर करने वाले आसनों में ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन और त्रिकोणासन, बैठकर करने वाले आसनों में भद्रासन, वज्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, शशकासन और उत्तान मंडूकासन, पेट के बल लेटकर करने वाले आसनो में मकरासन, भुजंगासन और शलभासन, पीठ के बल करने वाले आसनों में सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, अर्ध हलासन और पवनमुक्तासन का अभ्यास कराया। अंत में प्राणायाम और ध्यान के लिए अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, और ध्यान व संकल्प का अभ्यास कराया गया।

पुलिस-प्रशासन की कड़ी निगरानी में संपन्न हुई ''री-नीट'' परीक्षा

अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले थ्री-लेयर सिक्योरिटी जांच से गुजरना पड़ा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनः परीक्षा रविवार को राजधानी जयपुर में कड़े सुरक्षा प्रबंधों और प्रशासनिक निगरानी के बीच शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। जयपुर जिले के 103 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में 37128 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। जिनमें से 34031 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 3,097 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल उपस्थिति 91.66 प्रतिशत दर्ज की गई।

परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होकर शाम 5:15 बजे समाप्त हुई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने अभ्यर्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया। परीक्षा समाप्त होने के बाद 22 गोदाम सर्किल, परकोटा क्षेत्र के प्रमुख बाजारों तथा शहर के कई व्यस्त मार्गों पर परीक्षार्थियों और उनके परिजनों की भीड़ उमड़ने से यातायात व्यवस्था प्रभावित रही और कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आए। परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए इस बार अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले थ्री-लेयर सिक्योरिटी जांच से

नीट परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश देने से पूर्व पुलिस ने उनकी गहनता से जांच की।

गुजरना पड़ा। जेएलएन मार्ग स्थित पोद्दार स्कूल सहित कई केंद्रों पर पुलिसकर्मियों ने मेटल डिटेक्टर की सहायता से अभ्यर्थियों के बालों तक की गहन जांच की। निर्धारित समय के अनुसार दोपहर 1:30 बजे परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए और इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया गया। गांधी नगर स्थित केंद्रों पर अंतिम समय तक लाउडस्पीकर के माध्यम से अभ्यर्थियों को समय पर पहुंचने के निर्देश दिए जाते रहे।

- **जयपुर जिले में 103 परीक्षा केन्द्रों पर 37128 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 91.66 प्रतिशत उपस्थित हुए**

सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाए रखने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर राजस्थान पुलिस के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान तैनात रहे। सीआरपीएफ की निगरानी में ही प्रश्न पत्र परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए गए। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे एवं जैमर लगाए गए थे। वहीं एहतियात के तौर पर परीक्षा केंद्रों के आसपास संचालित साइबर कैफे और ई-मित्र केंद्रों की इंटरनेट सेवाएं भी बंद रखी गईं।

जिला कलेक्टर संदेश नायक ने स्वयं परीक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग करते हुए महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल गांधी नगर, शहीद अभय कुमार पारीक सीनियर सेकेंडरी स्कूल सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके अलावा केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, 3 और 4, पोद्दार स्कूल, महात्मा गांधी स्कूल आदर्श नगर, मिंट के दोनों विद्यालय, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल तथा आदर्श स्कूल सिंधी कॉलोनी बनीपार्क सहित अन्य केंद्रों की भी लगातार निगरानी की गई।

नीट पुनः परीक्षा के नोडल प्रशासनिक अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर नरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि जिला कलेक्टर के साथ 15 परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया, जबकि 24 मोबाइल ड्यूटी मजिस्ट्रेट्स ने पुलिस, एनटीए अधिकारियों तथा चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग की टीमों के साथ समन्वय स्थापित कर परीक्षा केंद्रों की सघन मॉनिटरिंग की।

जिला प्रशासन ने सभी केंद्रों पर सुरक्षा, पेयजल, विद्युत, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं, जिससे अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने चौड़ा रास्ता स्थित सरकारी विद्यालय परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासन और पुलिस की संयुक्त निगरानी में परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हुई।

मॉर्निंग वॉक पर निकली वृद्धा से चेन स्नैचिंग

जयपुर। मालवीय नगर थाना क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकली एक बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन झपट कर ले जाने का मामला सामने आया है। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

एएसआई गंगा सहाय ने बताया कि मालवीय नगर निवासी 74 वर्षीय उर्मिला अपनी दो सहेलियों के साथ सुबह टहलने निकली थीं। उषा कॉलोनी रोड पर वॉक के दौरान एक युवक हेलमेट लगाए अपनी बाइक के साथ खड़ा था। महिलाओं के वहां से आगे बढ़ने पर वह पैदल उनका पीछा करने लगा।कुछ दूरी पर पहुंचते ही बदमाश ने पीछे से झपट्टा मारकर उर्मिला के गले से सोने की चेन तोड़ ली। घटना के बाद महिला और उनकी सहेलियों ने शोर मचाते हुए बदमाश का पीछा भी किया, लेकिन आरोपी तेजी से अपनी बाइक स्टार्ट कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा बाइक सवार चेन स्नेचर की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

झुंझुनूं में बदमाशों ने प्रॉपर्टी कारोबारी के परिवार को बंधक बनाकर लाखों की डकैती की

बदमाश करीब 60 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और डेढ़ से दो लाख रूपये लूटकर फरार हो गये

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के मलसीसर रोड स्थित बिलाल नगर क्षेत्र में शनिवार देर रात एक लूट की वारदात हुई। हथियारों से लैस छह से सात बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी कारोबारी के घर में घुसकर पूरे परिवार को बंधक बना लिया और लाखों रूपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

- **बदमाशों ने घर में मौजूद सभी लोगों के हाथ-पैर टेप, तार, चादर और कपड़ों से बांध दिए, 10 वर्षीय बच्चे तक को नहीं छोड़ा**
- **घटना के तरीके को देखकर आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों ने पहले से घर की रेकी कर रखी थी**

लूट की वारदात के बाद पुलिस टीम ने मौके पर जांच शुरु की।

बदमाशों ने लूट करने के लिये अलमारियों में रखा सामान बिखेर दिया।

जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर-59 स्थित बिलाल नगर निवासी प्रॉपर्टी व्यवसायी शब्बीर सैय्यद उर्फ बाबू के घर रात करीब सवा एक बजे चेहरे ढके हुए छह से सात बदमाश घुस आए। घर में प्रवेश करते ही आरोपियों ने हथियारों के बल पर परिवार के सदस्यों को अपने कब्जे में ले लिया। परिजनों के अनुसार बदमाशों ने एक युवक की कनपटी पर रिवॉल्वर तानकर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी, जिसके चलते कोई भी उनका विरोध नहीं कर सका। बदमाशों ने घर में मौजूद सभी लोगों के हाथ-पैर टेप, तार, चादर और कपड़ों से बांध दिए। हैरानी की बात यह रही कि आरोपियों ने घर में मौजूद 10 वर्षीय बच्चे तक को नहीं छोड़ा। महिलाओं को अलग कमरे में बंद कर दिया गया ताकि वे किसी को सूचना न दे सकें। परिवार के अनुसार बदमाश कट्टों, रिवॉल्वर और चाकुओं जैसे हथियारों से लैस थे। उन्होंने पूरे घर की बारीकी से तलाशी ली और अलमारियों, बक्सों तथा अन्य स्थानों पर रखे कीमती सामान को खंगाल डाला। बदमाश करीब 60 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और लगभग डेढ़ से दो लाख रूपये नकद समेटकर फरार हो गए।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए। माना जा रहा है कि पहचान छिपाने और सबूत मिटाने के उद्देश्य से बदमाश यह उपकरण भी साथ ले गए। घटना के तरीके को देखकर आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों ने पहले से घर की रेकी कर रखी थी। जिस सुनियोजित ढंग से उन्होंने घर में प्रवेश किया, परिवार को बंधक बनाया और सीधे कीमती सामान तक पहुंचे, उससे उनकी पूर्व तैयारी साफ नजर आती है।

सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जुटानी शुरू कर दी है। संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है।

इस लूटकांड के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है। नागरिकों का कहना है कि शहर में लगातार बढ़ रही चोरी और लूट की घटनाओं ने आमजन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी और रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है और मामले की जांच जारी है। यह वारदात झुंझुनूं में हाल के वर्षों की सबसे बड़ी और साहसिक लूट की घटनाओं में से एक मानी जा रही है।

रिसॉर्ट के बंद कमरे में युवक का शव मिला

- **चेकआउट समय पर नहीं मिला जवाब, खिड़की से झांकने पर फंदे से लटका मिला युवक**

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के गुढ़ा रोड स्थित शेखावाटी रिसॉर्ट एंड बार में शनिवार को एक युवक का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। युवक शुक्रवार को रिसोर्ट में ठहरा था, लेकिन अगले दिन चेकआउट के निर्धारित समय पर कमरे से बाहर नहीं निकलने और फोन का जवाब नहीं देने पर होटल स्टाफ को अनहोनी की आशंका हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने खिड़की से अंदर झांककर देखा तो युवक का शव फंदे से लटका मिला।

कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान पिंटू (27) पुत्र हीरालाल, निवासी भोजनगर (परसरामपुरा), थाना नवलगढ़ के रूप में हुई है। बताया गया है कि पिंटू शुक्रवार को शेखावाटी रिसोर्ट एंड बार में ठहरने आया था। शनिवार सुबह करीब 11 बजे उसका चेकआउट निर्धारित था। समय बीत जाने के बाद भी जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो होटल कर्मचारियों ने कमरे के इंटरकॉम पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद स्टाफ कमरे के बाहर पहुंचा और काफी देर तक दरवाजा खटखटाया, मगर अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। स्थिति संदिग्ध लगने पर होटल प्रबंधन ने तत्काल कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सब-इंस्पेक्टर हिदायत खान पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की मौजूदगी में कमरे के पीछे बनी खिड़की से अंदर देखा गया, जहां युवक का शव फंदे से लटका दिखाई दिया। इसके बाद दरवाजा खुलवाकर पुलिस टीम कमरे में पहुंची और जांच शुरू की। मृतक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान की गई। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया। परिजनों के पहुंचने के बाद उनकी मौजूदगी में शव को नीचे उतारा गया और राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस के अनुसार घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। युवक द्वारा यह कदम उठाने के पीछे क्या कारण रहे, इसका फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। कोतवाली थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है तथा युवक के परिजनों एवं परिचितों से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

अलवर में नीट यूजी परीक्षा से पहले महिला लेक्चरर की तबीयत बिगड़ी

अलवर, (निसं)। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट नीट यूजी 2026 री-एग्जाम अलवर के 22 सेंटर पर पूरा हो गया है। कैंडिडेट्स को कड़ी सुरक्षा में एंट्री दी गई। 1.30 बजे सभी सेंटर के गेट बंद कर दिए गए।

- **कैंडिडेट्स को टाइम देखने के लिए राज ऋषि कॉलेज में पेड़ पर घड़ी लगाई**

कैंडिडेट्स की जांच कर कड़ी सुरक्षा में एंट्री दी गई।

इसके बाद 2 बजे से परीक्षा शुरू हुई, जो 5.15 बजे पूरी हो गई। एग्जाम शुरू होने से पहले एंट्री के दौरान एक सेंटर पर कैंडिडेट के रुमाल की भी जांच की गई। वहीं, टाइम देखने के लिए राज ऋषि कॉलेज में पेड़ पर घड़ी लगा दी गई, ताकि आने वाले अभ्यर्थी समय देख सकें। कला कॉलेज में मुख्य गेट पर भी घड़ी लगाई गई। अंदर क्लास में भी एनटीए ने अपनी घड़ी लगवाई। परीक्षा केंद्रों के मुख्य गेट पर पुलिस की पूरी निगरानी रही।

वहीं, एग्जाम शुरू होने से पहले ही बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय में महिला लेक्चरर (वीक्षक) की तबीयत बिगड़ गई। जिनको तुरंत अस्पताल भिजवाया गया। अलवर में करीब 10 हजार स्टूडेंट्स री-नीट में शामिल हुए। हर सेंटर पर एनटीए की भेजी घड़ी लगाई गई। अभ्यर्थियों को एग्जाम सेंटर में केवल पारदर्शी पानी की बोतल, एडमिट कार्ड, फोटो व आधार कार्ड ही लाने की छूट दी गई। पेन भी अंदर ही दिया गया। अभ्यर्थियों से एग्जाम हॉल में एक बार शुरूआत में, फिर दूसरी बार आखिरी में साइन कराए गए। एग्जाम दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक चला। परीक्षा से पहले सभी केंद्रों पर ब्रीफिंग सेशन आयोजित किए गए थे, जिसमें वीक्षकों (इन्विजिलेटर) सहित पूरे स्टाफ को एनटीए की सख्त गाइडलाइंस की जानकारी दी गई थी। अलवर में केवी स्कूल ईटाराणा व केवी स्कूल मोती डूंगरी पर दिव्यांग अभ्यर्थी ने एग्जाम दिया। केवी स्कूल ईटाराणा में एक ब्लाइंड अभ्यर्थी ने परीक्षा दी।

रुपये उधार नहीं देने पर व्यापारी की हत्या की थी, आरोपी गिरफ्तार

- **पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सोने की चेन, अंगूठी तथा मोटरसाइकिल जब्त की**

टोंक, (निसं)। कोतवाली थानाधिकारी भंवरलाल के नेतृत्व में गठित थाना पुलिस टीम व डीएसटी ने बड़ा कुआं क्षेत्र में ब्रज इलेक्ट्रीकल्स के मालिक की हत्या कर लूट के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर माल बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि रुपये उधार नहीं देने पर आरोपी ने व्यापारी की हत्या कर दी थी।

जिला पुलिस अधीक्षक ने रविवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि थाना कोतवाली, डीएसटी, सायबर सैल की टीम एवं घटनास्थल का एफएसएल टीम व एमआईयु टीम द्वारा मौका निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किये गय। मौके पर मिले सबूत जब्त किये गये। मृतक का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सुपुर्द किया गया। इस दौरान टीम ने आरोपी की तलाश कर आरोपी की निशादेही से लूटी गई सोने की चेन व सोने की अंगूठी व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई। घटना में प्रयुक्त कुल्हाडी व रस्सी के बरामदगी के प्रयास जारी है।

उल्लेखनीय है कि घटना 19 जून की है, जिसमें मोतीबाग रोड पर ब्रज इलेक्ट्रीकल्स के मालिक पवन कुमार गर्ग की अज्ञात आरोपियों ने दुकान के उपर बने कमरे में धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी राकेश ताम्बी पुत्र निर्मल कमार ताम्बी को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग 11 लोगों से 56 लाख रुपये ब्याज पर उधार ले रखे थे, जिनके ब्याज की भरपाई नहीं हो पा रही थी। आरोपी ने अपने मित्र मृतक पवन कुमार गर्ग से 15 दिन पहले 5 लाख रुपये उधार मांगे, जिस पर मृतक द्वारा रुपये उधार देने से इंकार कर दिया। मृतक द्वारा आरोपी को रुपये उधार देने से इंकार करने पर रंजिशवश आरोपी ने प्लान बनाकर कुल्हाड़ी व रस्सी लेकर अपना मुंह ढककर पवन कुमार गर्ग की दुकान के उपर बने कमरे में पहुंचा और उसके साथ शराब पार्टी की तथा बाद में पवन कुमार गर्ग पर धोखे से कुल्हाड़ी से पीछे की ओर सिर पर वार कर हत्या कर दी व मृतक के जिंदा होने की आशंका पर रस्सी से गला घोंट दिया। आरोपी मृतक के शरीर पर पहनी हुई सोने की चेन व सोने की अंगूठी लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मृतक की ली गई सामग्री एक सोने की चेन, सोने की अंगूठी तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

भीण्डर में डिग्गी में डूबने से युवक की मौत

- **दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया शव**

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर क्षेत्र के निकटवर्ती गढ़ी गांव में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 19 वर्षीय युवक की खेत पर बनी पानी संग्रहण की डिग्गी में डूबने से मौत हो गई। करीब 15 फीट गहरी डिग्गी में युवक के डूबने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों और पुलिस ने उसे बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए, लेकिन लगभग दो घंटे की लगातार मशक्कत के बाद उसका शव बाहर निकाला जा सका। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई।

जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर करीब चार बजे कानोड़ क्षेत्र के तीन युवक गढ़ी गांव स्थित एक खेत पर बनी डिग्गी में नहाने के लिए पहुंचे थे। तीनों युवकों को तैरना कम आता था और वे हवा भरे ट्यूब के सहारे पानी में तैर रहे थे। इसी दौरान कानोड़ के कुम्हारों का मोहल्ला निवासी कुलदीप पुत्र गणेश खटीक (19) डिग्गी के बीच हिस्से में पहुंच गया। अचानक उसके हाथ से ट्यूब छूट गया और वह गहरे पानी में डूबने लगा। कुलदीप के साथ मौजूद दोनों युवकों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह देखते ही देखते पानी में समा गया। घबराए दोनों युवक सहायता के लिए करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित रंगास्वामी बस्ती की ओर दौड़े और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही रंगास्वामी बस्ती निवासी भरत रंगास्वामी मौके पर पहुंचे और बिना देर किए डिग्गी में छलांग लगाकर युवक की तलाश शुरू कर दी। इसके बाद कई ग्रामीण भी पानी में उतर गए और लगातार खोजबीन करते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

घटना की सूचना मिलने पर भीण्डर पुलिस भी मौके पर पहुंची। कॉस्टेबल जनकराज, स्थानीय तैराक प्रकाश लाला पण्डिया, बबूल शेख तथा भरत रंगास्वामी सहित अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से युवक की तलाश शुरू की। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद डिग्गी के बीच हिस्से में तैराक प्रकाश लाला पण्डिया को युवक का शव दिखाई दिया। इसके बाद सभी तैराकों ने मिलकर शव को बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। भीण्डर थानाधिकारी मुकेश कुमार खटीक पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू करवाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भीण्डर चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है, जहां सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। बड़े बेटे का शव देखकर पिता गणेश लाल खटीक का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

जोधपुर में साबरमती स्पेशल ट्रेन का स्वागत

जोधपुर, (कासं)। नई रेलसेवा 04707 बीकानेर-साबरमती उद्घाटन स्पेशल ट्रेन के रविवार अपराह्न जोधपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों, यात्रियों और रेलवे अधिकारियों ने स्वागत किया। प्लेटफार्म संख्या एक पर पहली बार पहुंची इस उद्घाटन विशेष रेलसेवा के आगमन पर चालक दल का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर ट्रेन के लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इसके बाद विधायक अतुल भंसाली ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को साबरमती के लिए रवाना किया।

इस दौरान विधायक भंसाली ने कहा कि यह नई रेलसेवा आम यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी तथा राजस्थान और गुजरात के बीच बेहतर रेल कनेक्टिविटी को मजबूती देगी। उन्होंने इस नई सौगात के लिए अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कैरिज एंड वैगन) अमित स्वामी, सहायक वाणिज्य प्रबंधक बी. के. गौड़, सहायक परिचालन प्रबंधक मोहनदान, स्टेशन अधीक्षक विजय लाल, वाणिज्य निरीक्षक रतन सिंह गुर्जर, स्टेशन उपाधीक्षक (वाणिज्य) महेंद्र माथुर तथा दिनेश चंद्र मीणा सहित बड़ी संख्या में रेलवे अधिकारी, सुपरवाइजर, निरीक्षक और यात्री उपस्थित रहे। रेलवे के अनुसार इस नई रेलसेवा का नियमित संचालन सोमवार से प्रारंभ होगा, जिससे मार्ग के यात्रियों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी।

पाली में पांच केंद्रों पर नीट परीक्षा हुई

पाली, (नि.सं.)। पाली में रविवार को पांच केंद्रों पर नीट यूजी की परीक्षा आयोजित की गई। बांगड़ स्कूल सेंटर पर एक अभ्यर्थी को चक्कर आने से तबियत खराब होने पर सूचना पर उसे बागड़ अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज कर छुट्टी दी।

पाली शहर के बांगड़ कॉलेज, बालिया स्कूल परीक्षा केंद्र पर कड़ी सुरक्षा के बीच प्रवेश दिया जा रहा था। इस दौरान कई जनों मन्नत के धागे काटे जा रहे थे, वहीं चश्मा भी उतार कर चेक किया। परीक्षा को लेकर करीब 2080 परीक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था 1080 ने भाग लिया, 243 गैर हाजिर रहे। पाली के पांच परीक्षा केंद्र बांगड़ कॉलेज, बांगड़ स्कूल, बलिया स्कूल, गर्ल्स कॉलेज मैं परीक्षार्थियों को वीडियो ठाफी, बायोमेट्रिक, जांच के बाद परीक्षा में प्रवेश किया। सुबह 11 से 1:30 बजे तक प्रवेश दिया गया।

ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के विरोध में किसानों का मौन जुलूस आज

कोटपूतली, (निसं)। ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण को निरस्त करने की मांग को लेकर सोमवार 22 जून को कोटपूतली में किसानों द्वारा विशाल मौन जुलूस निकाला जायेगा। किसान महापंचायत के बैनर तले आयोजित होने वाले इस आंदोलन में क्षेत्र के हजारों किसानों के जुटने की संभावना है। मौन जुलूस सोमवार प्रातः 11 बजे से नगर परिषद कार्यालय के सामने से प्रारम्भ होकर जिला कलैक्टर कार्यालय पहुंचकर समाप्त होगा।

जमीन बचाने के लिए एकजुट हुए किसान :- जमीन हमारी-निर्णय हमारा और किसान एकता जिंदाबाद के नारों के साथ किसान इस परियोजना का कड़ा विरोध कर रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि एक्सप्रेस-वे के निर्माण से उनकी उपजाऊ कृषि भूमि छिन जायेगी, जिससे उनका भविष्य संकट में आ जायेगा। इस मौन जुलूस के जरिये किसान प्रशासन और सरकार तक अपनी आवाज शांतिपूर्ण तरीके से पहुंचायेंगे। किसान महापंचायत के जिलाध्यक्ष बाबूलाल चौधरी व तहसील अध्यक्ष हरसहाय तंवर ने क्षेत्र के किसानों से इस आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आव्हान किया है। उन्होंने एकजुट किसान-मजबूत किसान का संदेश देते हुए सभी से इस शांतिपूर्ण मौन जुलूस को सफल बनाने की अपील की।

लालसोट में टेम्पो से मिला बैग मालिक को लौटाया

लालसोट, (निसं)। लालसोट क्षेत्र में ईमानदारी की एक प्रेरणादायक मिसाल सामने आई है। टेम्पो से गिरा कीमती सामान से भरा बैग एक राहगीर को मिला, जिसने लालच छोड़कर उसे सुरक्षित पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

जानकारी के अनुसार राजोली निवासी कविता बैरवा अपने पीहर बाड़ीली राहुवास मोड़ से टेम्पो में बैठकर ससुराल जा रही थीं। इसी दौरान पीपली-पातलवास के पास उनका बैग टेम्पो से नीचे गिर गया। बैग में मोबाइल फोन, बच्चे के सोने-चांदी के आभूषण, 13,400 रुपये नकद, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड तथा अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था। दौसा से लालसोट की ओर आ रहे मूलचंद मीणा निवासी लक्ष्मणगढ़ (अलवर), जो वर्तमान में डिडवाना के मिडोरा स्थित राज फाउंडेशन संस्था में कार्यरत है, को यह बैग सड़क पर पड़ा मिला। बैग की जांच करने पर उसमें महत्वपूर्ण सामान देखकर उन्होंने उसे सीधे लालसोट पुलिस थाने में जमा करा दिया। पुलिस ने दस्तावेजों के आधार पर बैग की मालिक कविता बैरवा की पहचान कर उन्हें थाने बुलाया और बैग में रखा पूरा सामान सकुशल उन्हें सौंप दिया।

सिद्धू मूसेवाला को जिस पिस्टल से मारा, उसका सप्लायर श्रीगंगानगर में गिरफ्तार

- **पिस्टल सप्लायर और गैंगस्टर शकील अंसारी उर्फ आदिल पर हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं**

श्रीगंगानगर, (निसं)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की जिस जिगना और ग्लॉक पिस्टल से गोलियां दागकर हत्या की गई, उन पिस्टल का सप्लायर और गैंगस्टर शकील अंसारी उर्फ आदिल श्रीगंगानगर पुलिस की गिरफ्त में है। शकील, गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा गैंग का प्रमुख हैंडलर है, जो श्रीगंगानगर में एक बिजनेसमैन पर फायरिंग की वारदात करने पहुंचा था, लेकिन वारदात से पहले ही बाइक सवार शकील की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। एनकाउंटर में शकील ने पुलिस पर कई राउंड फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली शकील के दाहिने पैर में लगी और वह बाइक से गिर गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया था।

पुलिस पूछताछ में शकील ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। शकील अंसारी ने सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में इस्तेमाल हुए तुर्कीये और ऑस्ट्रिया निर्मित हथियार उपलब्ध कराए थे। आरोपी श्रीगंगानगर में एक बिजनेसमैन पर फायरिंग करने के मकसद से आया था। इसके अलावा वह उत्तर भारत में सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क का भी मेंबर है। पूछताछ में शकील ने बताया कि सिद्धू मूसेवाला पर ऑस्ट्रिया, जर्मनी और तुर्की की ग्लॉक इ-30, जिगना पिस्टल से गोलियां चलाई गई थीं। शकील ने बताया कि एक पिस्टल की कीमत करीब 6 लाख रुपए है। गैंगस्टर और उभरते हुए बदमाशों को यह पिस्टल उपलब्ध करवाता है। वारदात करने के बाद बदमाशों से हथियारों को वापस ले लेता है। इसके बाद उन्हें दूसरी वारदात में उपयोग किया जाता है। बड़ी वारदातों को गैंगस्टर रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के कहने पर किया जाता है। पूछताछ में सामने आया कि उनके पास इन पिस्टल्स का कलेक्शन भी है, जिसे ठिकानों पर छिपाकर रखा जाता है। वह 11 जून को लुधियाना से श्रीगंगानगर में एक वारदात करने के लिए आया था, लेकिन मुठभेड़ में घायल होने से वह पुलिस की गिरफ्त में आ गया।

पंचकूला क्राइम डीसीपी अमरिंदर सिंह ने बताया कि पंचकूला(हरियाणा) में भाजपा नेता नरेंद्र लुबाना के भाई रतन लुबाना पर हुई फायरिंग मामले में गिरफ्तार शूटरों ने भी पूछताछ में शकील का नाम लिया था। पुलिस के अनुसार, वह गैंगस्टरों को हथियार मुहैया कराने के साथ-साथ वारदात के बाद उन्हीं हथियारों को वापस लेकर दूसरे गैंगवार में मुहैया करवाता था।

शकील पर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि उसके संपर्क दुबई तक फैले हुए हैं और वह कई हाई-प्रोफाइल अपराधों में शामिल रहा है। अब पंचकूला पुलिस भी उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस अफसरों को उम्मीद है कि शकील से पूछताछ में गैंगस्टर नेटवर्क, हथियार तस्करी और कई बड़ी वारदातों से जुड़े खुलासे हो सकते हैं।

पंजाब के शूटर जसविंद्र व हरप्रीत ने पूछताछ में लुधियाना के बदमाश शकील अंसारी का नाम बताया। बताया कि शकील अंसाली गोदारा का हैंडलर है, जो ऐसे कामों के लिए हथियार मुहैया करवाया है और बाद में वापस भी लेता है। पंजाब के लुधियाना निवासी हार्डकोर बदमाश शकील अंसारी श्रीगंगानगर में किसी बड़ी फायरिंग की वारदात को अंजाम देने की फिराक में पहुंचा था।

बाइक पर गए शकील अंसारी को राजस्थान पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, तो उसने फायरिंग कर दी। दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चली। इसी दौरान पुलिस की गोली शकील अंसारी के पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर गिर गया। शकील अंसारी का पीछा पंचकूला पुलिस भी कर रही थी, लेकिन उससे पहले ही श्रीगंगानगर पुलिस ने उसका एनकाउंटर कर दिया। अब पंचकूला पुलिस आरोपी अंसारी को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर जाएगी। पुलिस को आशंका है कि माफिया अतीक और उसके भाई के अलावा बाबा सिद्दिकी समेत कई हाई प्रोफाइल केस में भी शकील का हाथ हो सकता है। ऐसे में फिलहाल शकील से पूछताछ जारी है, जिससे देशभर में फैले उसके नेटवर्क को खंगाला जा सके।

मजदूर की हत्या के दूसरे दिन भी शव का नहीं हुआ पोस्टमार्टम

- **आरोपी को फांसी देने और परिजन को नौकरी की मांग पर कलैक्ट्रेट में डटे हुये हैं परिजन**
- **पुलिस ने हत्या के आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की**

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागड़ा थाना क्षेत्र के रेटा गांव में मजदूर सुखराम आमालिया की हत्या के मामले में दूसरे दिन भी शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। मृतक के परिजन और ग्रामीण आरोपी को फांसी की सजा, पीड़ित परिवार को सरकारी नौकरी और आर्थिक सहायता देने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट के बाहर धरने पर बैठे हैं। परिजनों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे पोस्टमार्टम कराने और शव लेने को तैयार नहीं हैं। उधर, पुलिस ने हत्या के आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार रेटा जुड़ा निवासी सुखराम पुत्र सोना आमालिया और आरोपी विश्राम पुत्र मोतीलाल आहारी गुजरात में एक साथ मजदूरी करते थे। करीब डेढ़ महीने पहले दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के बाद दोनों अपने गांव लौट आए, लेकिन उनके बीच की रंजिश खत्म नहीं हुई। ग्रामीणों के अनुसार गांव लौटने के बाद दोनों के बीच फिर से कहासुनी हुई। इसी दौरान गुस्से में आए विश्राम ने सुखराम पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से सुखराम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात की सूचना मिलते ही रामसागड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी विश्राम को हिरासत में ले लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मृतक के परिजन मुकेश आमलिया ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और उसे फांसी की सजा दिलाई जाए। उनका कहना है कि सुखराम परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था, जिसके निधन से परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है। परिजनों और ग्रामीणों ने मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी तथा परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा देने की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि पीड़ित परिवार बेहद गरीब है और आजीविका का कोई अन्य साधन नहीं है। कलेक्ट्रेट के बाहर बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं। प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी लगातार परिजनों से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें समझाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल परिजन अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। ऐसे में हत्या के दूसरे दिन भी शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है।

मैंने ज्यादा नहीं सोचा। शुरुआती 10 ओवर का पूरा फायदा उठाना चाहता था। मैंने जो प्लान किया, उसपर अमल करने पर फोकस था।
– वैभव सूर्यवंशी

भारतीय क्रिकेटर, 29 गेंदों पर 94 रन की पारी खेलने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कायरन पोलार्ड

मेजर लीग क्रिकेट में एमआई न्यू यॉर्क से खेलते हुए दिग्गद खिलाड़ी कायरन पोलार्ड ने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। पोलार्ड टी-20 क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में अपने हमवतन दिग्गज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया है। पोलार्ड ने एमएलसी 2026 में वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ शानदार शतक जड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 56 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। इस शतकीय पारी के बाद पोलार्ड के टी-20 क्रिकेट में कुल रन 14,582 हो गए।

क्या आप जानते हैं ?... एक ही वर्ल्ड कप में सर्वाधिक गोल : फ्रांस के जस्ट फॉन्टेन ने 1958 के टूर्नामेंट में 13 गोल दागे थे।

FIFA WORLD CUP 2026

आज के मैच

बेल्जियम बनाम ईरान
सुबह 12.30 बजे

उरुग्वे बनाम कबे वर्दे
सुबह 3.30 बजे

न्यूजीलैंड बनाम इजिप्ट
सुबह 6.30 बजे

अर्जेंटीना बनाम ऑस्ट्रिया
सुबह 10.30 बजे

वैभव की सुनामी में उड़ी श्रीलंका, वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ इंडिया-ए ने जीती त्रिकोणीय सीरीज

दांबुला, 21 जून। इंडिया-ए ने फाइनल में श्रीलंका-ए को 66 रनों से हराकर त्रिकोणीय सीरीज अपने नाम कर ली है। रविवार को श्रीलंका के दांबुला में खेले गए मुकाबले में भारत-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 377 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका-ए की पारी 47.1 ओवर में 311 रन पर सिमट गई। इंडिया ए की जीत के हीरो 15 साल के वैभव सूर्यवंशी रहे। फाइनल में उन्होंने मात्र 29 गेंदों पर 94 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इसमें युवा बल्लेबाज ने 11 छक्के और 6 चौके लगाए। इस पारी में वैभव ने महज 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इससे उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट की सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। 378 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका-ए की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो मात्र 3 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नीरोशन डिकवेला 17 गेंदों में 25 रन बनाकर पवेलियन लौटे। श्रीलंका का तीसरा विकेट नुवानीडु फर्नांडो के रूप गिरा। फर्नांडो 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सदीरा समरविक्रमा और सहान अराच्चिगे ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाज टीम के स्कोर को 100 रन के पार ले गए लेकिन समरविक्रमा अर्धशतक लगाने के बाद अपना विकेट गंवा बैठे। उन्होंने 44 गेंदों में 52 रनों की पारी खेली, जिसमें 9 चौके शामिल रहे। 149 रन के स्कोर पर रविंदु फर्नांडो आउट हुए। फर्नांडो ने 19 रन बनाए। अराच्चिगे भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और 38 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद वी. वियासकांथ और वानुजा सहान ने 77 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब ले जाने की कोशिश की लेकिन पहले वियासकांथ 34 गेंदों में 39 रन और फिर वानुजा सहान 62 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पारी के 45वें ओवर में दुलाज समुधिता 15 रन बनाकर आउट हुए। अंत में मोहम्मद शिराज का विकेट गिरने के साथ श्रीलंका पारी का अंत हुआ। शिराज ने 21 रन बनाए। इंडिया ए के लिए यश ठाकुर और विप्रज निगम ने 3-3 विकेट लिए। अनुकूल रॉय ने दो विकेट, जबकि अशोक शर्मा और तिलक वर्मा ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले इंडिया ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 377 रन बनाए। टीम के लिए इस मैच में वैभव सूर्यवंशी ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 94 रन बनाए, जबकि कप्तान तिलक वर्मा ने 67 रन बनाए। इनके अलावा ऋतुराज गायकवाड़ ने 40, अनुकूल रॉय ने 39, प्रियांश आर्य 39, कुमार कुशाग्र 36 रन और विप्रज निगम ने 27 रन का योगदान दिया। श्रीलंका ए के लिए के. माथुलन, फर्नांडो और सहान को दो-दो विकेट मिले, जबकि शिराज, अराच्चिगे और सामुदिथा ने एक-एक विकेट हासिल किया।

भारत ने महिला हॉकी नेशंस कप का खिताब जीता, फाइनल में न्यूजीलैंड को 2-0 से हराया

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड), 21 जून। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप 2025-26 के फाइनल में मेजबान न्यूजीलैंड टीम को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को ऑकलैंड में खेले गए फाइनल में भारत की ओर से नवनीत कौर (4वें मिनट) और सुनेलिता टोप्पो (15वें मिनट) ने गोल किया।

लालरेमसियामी ने फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता, जबकि दीपिका छह गोल के साथ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं। यह भारतीय महिला टीम का दूसरा नेशंस कप खिताब है। इससे पहले टीम ने 2022 में इस टूर्नामेंट का पहला संस्करण जीता था।

भारतीय महिला टीम अपने पूरे अभियान में अजेय रही। पूल ए के मैचों में अमेरिका (3-2), जापान (2-1) और उरुग्वे (3-2) को हराने के बाद भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में चिली पर 6-0 से शानदार जीत दर्ज की। फिर फाइनल में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

टीम की उपलब्धि को देखते हुए हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपये और सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य के लिए 1.5 लाख रुपये के नकद इनाम की घोषणा की। रविवार को हुए खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने जोरदार शुरुआत की। नवनीत को पेनल्टी कॉर्नर मिला और उन्होंने चौथे मिनट में गोल कर भारत को बढ़त दिला दी।

भारतीय टीम ने खेल के दौरान तेजी दिखाते हुए शानदार प्रदर्शन किया और अपनी आक्रामक शैली से न्यूजीलैंड के डिफेंस के लिए कई मुश्किलें खड़ी कर दीं। पहले क्वार्टर में मिले एक और पेनल्टी कॉर्नर से उन्होंने अपनी बढ़त को दोगुना कर लिया। दीपिका के तेज शॉट को सुनेलिता टोप्पो ने डिफ्लेक्ट करके 15वें मिनट में भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय खिलाड़ियों ने दूसरे और तीसरे क्वार्टर में शानदार डिफेंस दिखाया, जिससे मेजबान टीम को कोई खास मौका नहीं मिला। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में ही न्यूजीलैंड को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, वह इसे भुना नहीं सके। अंत में 2-0 से जीत हासिल कर भारतीय टीम ने ट्रॉफी अपने नाम की।

यमाल और ओयारजाबल की मदद से स्पेन ने सऊदी अरब को 4-0 से हराया

नई दिल्ली, 21 जून। फीफा विश्व कप 2026 के ठ्रुप चरण के मुकाबले में स्पेन ने सऊदी अरब के खिलाफ 48 मिनट के खेल के बाद 4-0 की बढ़त बना ली है। लामिन यामल (10वें मिनट), मिकेल ओयारज़ाबल (21वें और 24वें मिनट) के गोलों और सऊदी अरब के हसन अल्तम्बक्ती के आत्मघाती गोल की बदौलत स्पेन ने यह बढ़त हासिल की है। स्पेन के पहले विश्व कप 2026 मैच में केप वर्डे के खिलाफ ओयारज़ाबल शुरुआती 30 मिनट में गेंद को छू भी नहीं पाए थे। लेकिन आज उन्होंने सऊदी अरब के खिलाफ तीन मिनट के भीतर दो गोल दाग दिए।

पहले हाफ में स्पेन ने सऊदी अरब के 34 की तुलना में 57 गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखा; स्पेन ने 17 गोल शॉट लगाए जबकि सऊदी अरब ने केवल दो; पांच गोल शॉट लक्ष्य पर लगे जबकि सऊदी अरब का एक भी शॉट लक्ष्य पर नहीं लगा। लुइस डे ला फुएंते की टीम ने 344 पास पूरे किए जबकि जॉर्जोस डोनिस की टीम ने केवल 117 पास पूरे किए।

केप वर्डे जैसी कमजोर टीम के खिलाफ गोल करने में नाकाम रहने के बाद, स्पेन रविवार को एक दृढ़ निश्चयी सऊदी अरब टीम के खिलाफ पूरी ताकत से खेलने की कोशिश करेगा। अपने पहले मैच में, दोनों ही टीमों ने अंक गंवाए थे, स्पेन ने केप वर्डे के साथ 0-0 से ड्रॉ खेला था और सऊदी अरब ने उरुग्वे के खिलाफ एक मैच ड्रॉ किया था। विश्व कप में प्रबल दावेदार मानी जा रही स्पेन की टीम केप वर्डे की रक्षात्मक क्षमता के आगे फीकी पड़ गई। केप वर्डे ने स्पेन के हर हमले को नाकाम कर दिया। उस मैच में स्पेन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी लामिन यामल की भूमिका कुछ ही मिनटों की थी।

जापान ने ऐतिहासिक 1000वें मैच में ट्यूनिशिया को दी मात, अगले दौर की उम्मीदों को किया मजबूत

नई दिल्ली, 21 जून। जापान ने रविवार को फीफा वर्ल्ड कप-2024 में मैक्सिको के मोंटेर्रे में खेले गए मैच में ट्यूनिशिया को 4-0 से करारी शिकस्त दी है। ये फीफा वर्ल्ड कप का 1000वां मैच था जिसमें जापान ने एकतरफा जीत हासिल करते हुए ट्यूनिशिया को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। ग्रुप-एफ में ये ट्यूनिशिया की लगातार दूसरी हार है।

पिछले सप्ताह स्वीडन के खिलाफ मिली हार के बाद ट्यूनिशिया ने अपने कोच साबरी लामाउची को बर्खास्त कर दिया था और हर्वे रेनार्ड को कोच नियुक्त किया था। हालांकि, इससे कोई फायदा नहीं हुआ और ट्यूनिशिया को एक और हार के बाद वर्ल्ड कप से बाहर जाना पड़ा है। इस टूर्नामेंट से बाहर होने वाली तीसरी टीम बन गई है।

जापान की टीम शुरुआत से ही ट्यूनिशिया पर हावी थी। चौथे मिनट में ही उसने खाता खोल लिया। केइतो नाकामुरा ने बॉक्स के अंदर दाइची कमाडा को पास दिया जिन्होंने गेंद को नेट में डालने में कोई गलती नहीं की और जापान 1-0 से आगे हो गई। इस शुरुआती गोल ने ट्यूनिशिया को दबाव में ला दिया था। जापान ने इस दवाब को 30वें मिनट में और बढ़ा दिया। आयसे यूडा ने जापान के लिए दूसरा गोल किया। उन्होंने गोल पोस्ट के कॉर्नर में शॉट लगाया जिसे बचाने का ट्यूनिशिया के गोलकीपर के पास कोई मौका नहीं था। पहले हाफ का अंत जापान ने 2-0 के स्कोर के साथ ही किया।

दूसरे हाफ में भी दिखाया दम

दूसरे हाफ में ट्यूनिशिया की कोशिश वापसी करने की थी, लेकिन जापान ने उसे कोई मौका नहीं दिया। 69वें मिनट में यूडा ने ट्यूनिशिया की बैकलाइन को छकाते हुए जूनया इटो को पास दिया जिन्होंने गेंद को नेट में डालने में कोई गलती नहीं की। 83वें मिनट में यूडा ने अपना दूसरा और जापान का चौथा गोल कर दिया। यहां से ट्यूनिशिया के लिए वापसी नामुमकिन साबित हुई और जापान ने अगले दौर में जाने की अपनी उम्मीदों को पुख्ता कर लिया है।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टी-20 में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया, 3-0 से जीती सीरीज

चटगांव (बांग्लादेश), 21 जून। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे और अंतिम टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। इससे पहले बांग्लादेश ने वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, लेकिन टी-20 प्रारूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम पूरी तरह हावी रही।

चटगांव में रविवार को खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन उसकी पारी निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 109 रन तक ही सिमट गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने मात्र 11 ओवर में 3 विकेट खोकर 112 रन बनाते हुए लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

110 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की। कप्तान मिशेल मार्श ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 28 गेंदों में 60 रन बनाए। उनकी पारी में 7 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। मार्श के अलावा जोश इंग्लिस ने 17 और कूपर कोनोली ने 15 रन का योगदान दिया। टिम डेविड 12 और मैट रेनशॉ 6 रन बनाकर नाबाद लौटे। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल इस्लाम, नासुम अहमद और रिशाद हुसैन ने एक-एक विकेट लिया।

हरमनप्रीत ने रचा इतिहास, 200 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बनी

मैनचेस्टर (इंग्लैंड), 21 जून। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला टी20 विश्वकप 2026 के मुकाबले में मैदान पर उतरते ही इतिहास रच दिया। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 मैच खेलने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। खास बात यह है कि अब तक किसी भी पुरुष या महिला क्रिकेटर ने यह उपलब्धि हासिल नहीं की थी। रविवार को मैनचेस्टर के एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले जा रहे मुकाबले में जैसे ही हरमनप्रीत टॉस के लिए मैदान पर पहुंचीं, उनके नाम यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। इस खास मौके पर हरमनप्रीत कौर को विशेष जर्सी और कैप भेंट की गई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सम्मान, प्यार और ढेर सारी यादें। उप-कप्तान स्मृति मंधाना और हेड कोच अमोल मजूमदार ने हरमनप्रीत कौर को पूरी टीम के हस्ताक्षर वाली एक खास 200 नंबर जर्सी और कैप भेंट की। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में हरमनप्रीत के बाद न्यूजीलैंड की दिग्गज बल्लेबाज सूजी बेट्स का नाम आता है, जिन्होंने 184 मुकाबले खेले हैं। वहीं, पुरुष क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का रिकॉर्ड पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम है, जिन्होंने 159 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। हरमनप्रीत कौर का टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है। इस मैच से पहले खेले 199 मुकाबलों में उन्होंने 4,123 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। अब 200वें मैच के साथ उन्होंने अपने शानदार करियर में एक और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ दिया है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान, कोहली-बुमराह की वापसी

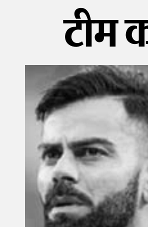

नई दिल्ली, 21 जून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए रविवार को भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। 15 सदस्यीय टीम में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी हुई है। हालांकि, फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही वो इस सीरीज में भाग ले पाएंगे। कोहली को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जिसके चलते वह अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी वनडे टीम में लौटे हैं। बुमराह आखिरी बार 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में भारतीय टीम के लिए 50 ओवर का क्रिकेट खेले थे। इसके अलावा ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी वनडे टीम में शामिल किए गए हैं। अक्षर अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं थे। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल को इस सीरीज में मौका नहीं मिला है। यशस्वी ने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 110 रन बनाए थे। यशस्वी को कोहली के चोटिल होने पर ही अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में चुना गया था। अब इंग्लैंड के खिलाफ कोहली की वापसी के बाद उनकी जगह नहीं बन पाई।

भारत की वनडे टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली (फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम पांच टी-20 और तीन वनडे मैच खेलेगी। टी-20 टीम का ऐलान पहले ही हो चुका है। टी-20 सीरीज एक जुलाई से शुरू होगी। इसके बाद 14 जुलाई से वनडे सीरीज खेली जाएगी। बीसीसीआई ने यह भी बताया कि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर कर दिया गया है। चक्रवर्ती आईपीएल 2026 के दौरान बाएं पैर में चोट लगने के बाद बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने रिहैब के आखिरी दौर में हैं।

आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारत की अपडेट टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता

जयपुर, अलवर में खेले गए क्वार्टरफाइनल व प्री-क्वार्टरफाइनल मैचों में उदयपुर, झुंझुनूं व जोधपुर जीती

जयपुर, 21 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर, अलवर खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता के आज जयपुर में बाड़मेर -झुंझनू के मध्य खेले गए मैच में झुंझनू व जालोर -जोधपुर के मध्य खेले गए मैच में जोधपुर ने जीत दर्ज की व अलवर में धौलपुर – उदयपुर के मध्य खेले गए मैच में उदयपुर ने जीत दर्ज की।

आरसीए अकादमी बाड़मेर – झुंझनू (क्वाटर फाइनल) झुंझनू 3 विकेट से जीती बाड़मेर पारी 140 आल आउट। टीम के लिए रिंकू टांक 44, पार्वती 20, सिमरन 20 रन। झुंझनू की गेंदबाज बबीता मीणा 24 /4, ज्योति सैनी 27 /2 व हैप्पी कुमारी, कंचन हुड्डा व मोनिका 1 -1 विकेट। झुंझनू पारी 141 /7, टीम के लिए हैप्पी कुमारी नाबाद 55 व बबिता 22 रन। बाड़मेर की गेंदबाज करिश्मा 25 /3 व रिंकू 17 /2 विकेट।

प्री क्वाटर फाइनल मैच: के एल सैनी स्टेडियम जालोर-जोधपुर जोधपुर 3 विकेट से जीती। जालोर पारी 72 आल आउट। सुमन मीणा 25, तरनुमनाबाद 13 रन। जोधपुर की गेंदबाज पालक बिश्नोई 17 /4, दृष्टि खोड़ा 5 /3 ,जोधपुर पारी 76 /7 ,टीम के लिए श्रेया जोशी नाबाद 30 रन। जालोर की गेंदबाज दृष्टि शर्मा 16 /3 व सुमन मीणा 32 /2 विकेट। **सूरत ग्राउंड,** अलवर धौलपुर -उदयपुर, उदयपुर 8 विकेट से जीती। धौलपुर पारी 108 आल आउट टीम के लिए मीनाक्षी कुंतल 35 व माधवी 19 रन । उदयपुर की गेंदबाज तनिष्का चौधरी 12 /4, अदिति मेनारिया 21 /2 व ऋतू लोढ़ा 28 /2 विकेट। उदयपुर पारी 111 /2, टीम के लिए प्रियांशीचौधरी नाबाद 35, नताशा मीणा 27 व हिमाली भट्ट नाबाद 20 रन।

डेनिज उन्दाव के डबल से जर्मनी जीता, आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराया, नॉकआउट का टिकट पक्का

नई दिल्ली, 21 जून। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में जर्मनी ने शानदार वापसी करते हुए आइवरी कोस्ट को 2-1 से हरा दिया। टोरंटो स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में एक समय जर्मन टीम पिछड़ रही थी, लेकिन डेनिज उन्दाव के दो गोलों की बदौलत उसने जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ जर्मनी ने नॉकआउट चरण में अपनी जगह भी पक्की कर ली। मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। जर्मनी ने गेंद पर अधिक नियंत्रण रखा और लगातार मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन आइवरी कोस्ट की रक्षापंक्ति मजबूती से डटी रही। मैच का पहला गोल 30वें मिनट में आया।

यान डियोमांडे की शानदार रन के बाद बने मौके का फायदा उठाते हुए फ्रेंक कैसी ने बेहतरीन फिनिश किया और आइवरी कोस्ट को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद जर्मनी ने बराबरी के लिए कई प्रयास किए, लेकिन हाफ-टाइम तक स्कोर 1-0 ही रहा। ब्रेक के बाद जर्मनी ने खेल की रफ्तार बढ़ा दी और लगातार आइवरी कोस्ट के गोल पर दबाव बनाया। इसका फायदा 68वें मिनट में मिला, जब सब्स्टीट्यूट डेनिज उन्दाव ने शानदार गोल दागकर टीम को 1-1 की बराबरी दिला दी। इस गोल के बाद मुकाबला और रोमांचक हो गया। दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष करती रहीं, लेकिन जर्मनी के हमले लगातार ज्यादा खतरनाक नजर आए।

जर्मनी ने नॉकआउट चरण में बनाई जगह

आठ मिनट के इंजरी टाइम के बाद रेफरी ने अंतिम सीटी बजाई और जर्मनी ने 2-1 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। फ्रेंक कैसी के गोल से पिछड़ने के बावजूद जर्मन टीम ने धैर्य और आक्रामकता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। डेनिज उन्दाव के डबल की बदौलत जर्मनी ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की और छह अंकों के साथ ग्रुप-ई में शीर्ष स्थान पर रहते हुए नॉकआउट चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। वहीं, आइवरी कोस्ट को टूर्नामेंट में अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा।

इंजरी टाइम में उन्दाव बने जीत के हीरो

जब मैच ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी इंजरी टाइम में जर्मनी को निर्णायक बढ़त मिल गई। 90 4वें मिनट में फेलिक्स एनमेचा के पास पर डेनिज उन्दाव ने शानदार टर्न लेते हुए सटीक शॉट लगाया और गेंद को गोल में पहुंचा दिया।उन्दाव का यह दूसरा गोल जर्मनी के लिए मैच विनिंग गोल साबित हुआ। इसके बाद आइवरी कोस्ट वापसी नहीं कर सकी और जर्मनी ने बढ़त बरकरार रखी ।

भारतीय वालीबॉल अंडर-18 टीम की चयन समिति सदस्य बने लवमीत कटारिया

ज़यपुर, 21 जून। जयपुर का अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी लवमीत कटारिया भारतीय वॉलीबॉल अंडर 18 की चयन समिति में, इंडिया वॉलीबॉल के स्टार खिलाड़ी रहे लवमीत कटारिया 23 से 25 जून तक होने वाली भारतीय वॉलीबॉल अंडर 18 टीम की ट्रायल भुवनेश्वर उड़ीसा में होगी 26 जून से भारतीय वॉलीबॉल टीम का प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा जो 10 जुलाई तक चलेगा। भारतीय वॉलीबॉल टीम को चीन में अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप मै भाग लेना है जो 12 जुलाई से 18 जुलाई को चीन मै होगी। लवमीत कटारिया इसे पहले एशियन गेम्स सीनियर टीम भारतीय वॉलीबॉल के भी चयनकर्ता रहे है।

37 साल के गोलकीपर ने मचा दिया तहलका, 15 सेव कर बराबर किया वर्ल्ड कप रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 21 जून। कुराकाओ ने फीफा विश्व कप 2026 में ऐसा प्रदर्शन किया है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। 37 वर्षीय गोलकीपर एलॉय रूम ने शानदार 15 सेव कर इक्वाडोर को गोल करने से रोक दिया और मुकाबला 0-0 से ड्रॉ कराया. कुराकाओ ने अपना पहला अंक हासिल किया और नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदों को भी जिंदा रखा।

फीफा विश्व कप 2026 में रविवार को एक ऐसा मुकाबला देखने को मिला, जिसने साबित कर दिया कि फुटबॉल सिर्फ गोल करने का नहीं, बल्कि गोल सेव करने का भी गेम है। ग्रुप-ई के अहम मुकाबले में इक्वाडोर ने पूरे 90 मिनट तक दबदबा बनाए रखा, लेकिन 37 वर्षीय गोलकीपर एलॉय रूम के सामने उसकी सारी कोशिशें नाकाम साबित हुईं। रूम ने 15 शानदार सेव किए और कुराकाओ को मैच बचाने का मौका दिया। फीफा विश्व कप में पहली बार हिस्सा लेने वाली टीम कुराकाओ के लिए यह सिर्फ एक अंक नहीं, बल्कि इतिहास का हिस्सा बन गया। शुरुआती मैच में जर्मनी से 1-7 की करारी हार झेलने के बाद कुराकाओ पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन इक्वाडोर के खिलाफ मिले इस नतीजे ने उसकी नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है।

कैनसस सिटी में खेले गए इस मुकाबले में इक्वाडोर के खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही आक्रामक फुटबॉल खेला. टीम ने 75 प्रतिशत बॉल पजेशन अपने पास रखा और लगातार कुराकाओ के गोल पर हमले किए। मैच के शुरुआती मिनटों में ही स्टार स्ट्राइकर एनर वालेंसिया गोल करने के करीब पहुंच गए थे। लेकिन एलॉय रूम ने शानदार रिफ्लेक्स दिखाते हुए उनका प्रयास विफल कर दिया।

नक्की झील पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

मुख्यमंत्री ने आबू राज को सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति व आत्मिक शांति का अद्‌भुत संगम बताया

आबू राज/जयपुर, 21 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिरोही जिले के आबू राज में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में योगाभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कोलकाता में दिए गए संबोधन को भी सुना।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अरावली की पावन गोद में बसा आबू राज अध्यात्म की भूमि है। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति तथा आत्मिक शांति का अद्भुत संगम है। यहां की निर्मल वायु, हरियाली और आध्यात्मिक वातावरण योग की मूल भावना को साकार करते हैं।

उन्होंने कहा कि देश ने योग को कर्म योग से जोड़कर व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के तौर पर विकास की शक्ति को कई गुना बढ़ा दिया है। आज योग विश्वव्यापी जन आंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा, यह गर्व का विषय है कि हमारी प्राचीन योग की परंपरा मानवता के कल्याण का वैश्विक माध्यम बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' है। इसका संदेश यह है कि योग केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि यह बढ़ती उम्र के लोगों को भी शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से संतुलित और भावनात्मक रूप से मजबूत रखने का सशक्त माध्यम है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिरोही जिले के आबू राज में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में योगाभ्यास किया।

- **आबू राज में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल ने उपस्थित जनसमूह को मन की स्थिरता, आत्म विश्वास, कर्तव्य निष्ठा, समाज व विश्व में शांति, आनंद एवं स्वास्थ्य के संवर्धन के लिये प्रतिबद्ध रहने की शपथ दिलाई।**

अरावली की वादियों में नक्की झील के किनारे आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को मन की स्थिरता, आत्मविकास, कर्तव्यनिष्ठा तथा समाज और विश्व में शांति, आनंद एवं स्वास्थ्य के संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध रहने की शपथ दिलाई। साथ ही, सफेद गुब्बारे उड़ाकर विश्व शांति एवं निरोगी राजस्थान का संदेश दिया गया।

इस दौरान पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री केके विश्नोई, सांसद मदन राठौड़, लुम्बाराम चौधरी, विधायक समाराम, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं आमजन उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईडी की जांच उस कथित वित्तीय लेनदेन से जुड़ी है, जिसमें खनन कंपनी कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) द्वारा वीणा की आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, जो अब बन्द हो चुकी है, को 2.78 करोड़ रुपये का भुगतान किए जाने का आरोप है। जांच एजेंसी का दावा है कि यह राशि कंपनी को किसी सेवा के बदले नहीं दी गई थी। ईडी का आरोप है कि भुगतान के बावजूद एक्सालॉजिक ने कोई वास्तविक सेवा प्रदान नहीं की। इसी आधार पर एजेंसी इस पूरे लेनदेन को संदिग्ध मानते हुए मनी लॉण्डरिंग के पहलू की जांच कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, 17 जून को हुई पहली पूछताछ के दौरान वीणा के बयान दर्ज किए गए थे। इसके बाद एजेंसी ने उपलब्ध दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान कुछ और तथ्यों को स्पष्ट करने की जरूरत महसूस की गई, जिसके बाद ईडी ने वीणा को दोबारा तलब करने का फैसला किया। बताया जा रहा है कि अब तक इस मामले में चार अन्य आरोपियों के बयान भी दर्ज किए जा चुके हैं। 19 जून को ईडी अधिकारियों ने तिरुवनंतपुरम में वीणा के बैंक लॉकरों का भी निरीक्षण किया था।

रविवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोकतंत्र के साथ खड़े हैं। जंतर-मंतर पर भारी संख्या में एकत्रित प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तुरंत पद छोड़ने की मांग की है।

क्या इज़रायल का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिकी पैट्रियट तथा थाड (टी.एच.ए.ए.डी.) रक्षा प्रणालियां भी इज़रायल की सुरक्षा मजबूत करने के लिए तैनात की गई हैं।

एकमात्र क्षेत्र, जहां इज़राइल वास्तव में आत्मनिर्भर माना जाता है, वह उसका रणनीतिक प्रतिरोधक (स्ट्रैटेजिक डिटरेंट) तंत्र है। इसमें स्वदेशी जेरिको-तीसरी मिसाइल प्रणाली और जर्मनी निर्मित पनडुब्बियां शामिल हैं, जो उसे समुद्र आधारित परमाणु क्षमता प्रदान करती हैं। हालांकि, उसके, देश में डिज़ाइन किए गए मर्कवा टैंक भी अमेरिका में बने इंजनों पर निर्भर हैं।

विशेषज्ञों की व्यापक राय है कि यदि अमेरिकी समर्थन अचानक समाप्त हो जाए तो इज़रायल को गंभीर झटका लगेगा। स्पेयर पार्ट्स की निरंतर आपूर्ति बंद होने पर उसकी वायु सेना के बड़े हिस्से को संचालित रखना कठिन हो जाएगा। लंबे संघर्ष की स्थिति में उसके गोला-बारूद के भंडार भी अपेक्षाकृत जल्दी समाप्त हो सकते हैं।

इज़रायल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के पूर्व उपप्रमुख चक फ्राइलिच के अनुसार, यह निर्भरता केवल गोला-बारूद तक सीमित नहीं है, बल्कि सेना के लगभग हर स्तर तक फैली हुई है, यदि उन्हें डिलिवर करने के लिए अमेरिका से एयरक्राफ्ट मंगाने पड़ें।

लागत भी एक बड़ी बाधा है। फ्राइलिच ने 1980 के दशक में इज़रायल द्वारा अपना लड़ाकू विमान विकसित करने के असफल प्रयास का उदाहरण दिया। इस परियोजना पर राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का लगभग पांचवां हिस्सा खर्च हो गया था, लेकिन अंततः इसे बंद करना पड़ा।

पूर्व आईडीएफ उपप्रमुख उज़ी दयान ने भी यही राय व्यक्त की। उनका कहना था कि इज़रायल जैसी अपेक्षाकृत छोटी अर्थव्यवस्था के लिए अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का स्वतंत्र विकास आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं है। इज़रायल के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान की एक रिपोर्ट ने भी निष्कर्ष निकाला कि पूर्ण सैन्य आत्मनिर्भरता की बात व्यवहारिक दृष्टि से केवल एक कल्पना है।

यह निर्भरता केवल इज़रायल की अपनी सैन्य क्षमता को ही प्रभावित नहीं करती, बल्कि उन देशों को भी प्रभावित करती है जो उससे हथियार खरीदते हैं।

भारत ने लगभग बीस वर्ष पहले इसका प्रत्यक्ष अनुभव किया था, जब ग्रीन पाइन रडार और फाल्कन हवाई प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की खरीद के लिए अमेरिकी मंजूरी आवश्यक थी। हालांकि, ये इज़रायली टैक्नॉलजी के रुप में ब्रैण्डेड थे, लेकिन इन्हें अमरीकी कंपनियों के साथ मिलकर विकसित किया गया था। यरुशलम से चाहे जितने भी स्वतंत्रता के दावे किए जाएं, व्यावहारिक वास्तविकता यही है कि इज़रायल की रक्षा क्षमता और सैन्य शक्ति का प्रदर्शन अब भी वॉशिंगटन से गहराई से जुड़ा हुआ है। दोनों देशों के संबंधों में समय-समय पर तनाव आ सकता है, लेकिन दोनों पक्षों के पास इस साझेदारी को बनाए रखने के मजबूत कारण हैं। फिलहाल पूर्ण अलगाव की संभावना वास्तविकता से अधिक राजनीतिक बयानबाजी ही दिखाई देती है।

तुषार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीन साल के कार्यकाल के लिए और फिर 2023 में पुनः नियुक्त किया। नवीनतम कार्यकाल विस्तार के साथ, मेहता सॉलिसिटर जनरल के रूप में लगभग आठ वर्ष पूरे कर चुके हैं और नए कार्यकाल के अंत तक इस पद पर 11 वर्ष पूरे करने वाले हैं, जिससे वे देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक इस पद पर सेवा देने वाले विधि अधिकारियों में से एक बन जाएंगे।

सॉलिसिटर जनरल के रूप में, मेहता ने सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष कई महत्वपूर्ण संवैधानिक, नीतिगत और आपराधिक मामलों में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व किया है।

नीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंजेक्शन लगाया गया, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।

जब परिजनों ने सख्ती से पूछा तो सिमरन ने बताया कि उसने घर में रखा कीटनाशक पी लिया है। इसके बाद परिजन उसे गंभीर हालत में हिसार के सर्वेश अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पिता रोहताश ने बताया कि सिमरन को देखकर नहीं लगा कि वह आत्महत्या कर लेगी। वह नार्मल लग रही थी और उसने रातभर पढ़ाई भी की थी। सुबह उसने बताया था कि वह 11 बजे घर से पेपर देने के लिए निकलेगी। इससे पहले यह हादसा हो गया।

भारत की प्राचीन परम्परा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रखने का मार्ग दिखाता है। योग जीवनशैली में संतुलन लाता है तथा व्यक्ति को उम्र बढ़ने के बावजूद ऊर्जावान बनाए रखता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण ने भी गीता में योग के महत्व का उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि समाज स्वस्थ होगा तो देश भी स्वस्थ बनेगा।

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद रेड रोड पर सामूहिक योगाभ्यास शुरू हुआ। इस बीच मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में योग की पुरानी परंपरा रही है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति से राज्य में योग दिवस का आयोजन ऐतिहासिक बन गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक पश्चिम बंगाल में योग दिवस को लेकर सरकारी स्तर पर कोई विशेष पहल नहीं हुई, लेकिन अब राज्य में योग के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ा है।

रेड रोड पर मुख्य योग कार्यक्रम सुबह करीब 6:30 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम में लगभग 35 हजार लोगों के प्रधानमंत्री के साथ योगाभ्यास में शामिल होने की व्यवस्था की गई थी।

योग दिवस के कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों की सुविधा के लिए रविवार तड़के से कोलकाता मेट्रो की सेवाएं शुरू कर दी गई थीं। ब्लू लाइन, ग्रीन लाइन सहित, शहर की सभी मेट्रो लाइनों पर सुबह 4 बजे के कुछ समय बाद से सेवाएं चालू कर दी गईं, ताकि दूरदराज से आने वाले प्रतिभागी समय पर रेड रोड पहुंच सकें।

प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए, रेड रोड और आसपास के क्षेत्रों में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए थे। कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश के लिए निर्धारित समय और सुरक्षा जांच की व्यवस्था की गई थी।

भाषण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाकी नेता यहां कूड़ा उठाने आए हैं?" उन्होंने कार्यकर्ताओं को अनुशासन बनाए रखने की नसीहत देते हुए कहा कि कांग्रेस में व्यक्ति पूजा के लिए कोई स्थान नहीं है और पार्टी किसी भी व्यक्ति से बड़ी है। उन्होंने कहा कि चाहे कोई नेता कितना भी बड़ा क्यों न हो, संगठन सर्वोपरि है। कांग्रेस पार्टी ने ही नेताओं को पहचान और ताकत दी है, इसलिए संगठन और अनुशासन को बनाए रखना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है।

दिसम्बर में हो सकता है भारत व यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स से कहा कि यह समझौता फरवरी में लागू हो जायेगा

नई दिल्ली, 21 जून। भारत, और 27 देशों के संगठन यूरोपीय संघ के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता इस साल दिसंबर तक हस्ताक्षरित हो जाएगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को मुंबई में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के साथ बातचीत में यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक समझौते को अगले साल फरवरी-मार्च के दौरान पूरी तरह लागू किए जाने की संभावना है।

इसी साल 27 जनवरी को भारत और यूरोपीय संघ ने वार्ता के निष्कर्ष की घोषणा की थी। इसे व्यापार की दुनिया में सभी समझौतों की मां (मदर ऑफ ऑल डील्स) कहा जा रहा है। पीयूष गोयल ने कहा कि अब लगभग शून्य शुल्क के साथ, पूरा यूरोपीय बाजार हमारे लिए खुल जाएगा। इस समझौते के लागू होते ही भारत के व्यापारिक रिश्तों को एक नई और अभूतपूर्व उड़ान मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पूरी दुनिया इस समय भारत की तरफ बेहद उम्मीद से देख रही है। इस ऐतिहासिक भारत-ईयू समझौते के तहत, भारतीय खेपों (शिपमेंट्स) के लगभग 93 प्रतिशत हिस्से को यूरोपीय बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसका सीधा फायदा भारतीय निर्यातकों और स्थानीय उद्योगों को होगा।

- **गोयल ने कहा कि लगभग शून्य शुल्क होने से स्थानीय उद्योग को सीधा लाभ मिलेगा। यूरोपीय संघ से आने वाली लग्ज़री कारों व वाइन पर आयात शुल्क कम होने से ये उत्पाद भारत में सस्ते हो जायेंगे।**

इसके साथ ही, यूरोपीय संघ से भारत आने वाली लक्जरी कारों और वाइन पर आयात शुल्क कम होगा, जिससे ये उत्पाद भारत में सस्ते हो जाएंगे। आर्थिक आंकड़ों के लिहाज से यह बेहद मजबूत साझेदारी है। भारत और यूरोपीय संघ मिलकर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 25 प्रतिशत हिस्सा संभालते हैं। इसके अलावा, दोनों पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यापार (लगभग 33 ट्रिलियन डॉलर) का एक-तिहाई, यानी लगभग 11 ट्रिलियन डॉलर, यानी करीब 10,38,52,380.5 करोड़ रुपये का प्रतिनिधित्व करते हैं।

गोवा अवैध खनन मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

सलगांवकर समूह और उसके सहयोगियों से जुड़ी 1,023.85 करोड़ की चल एवं अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया

नई दिल्ली, 21 जून। गोवा के अवैध लौह अयस्क खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सलगांवकर समूह और उसके सहयोगियों (एवीएस समूह) से जुड़ी 1,023.85 करोड़ की चल एवं अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है।

ईडी के पणजी आंचलिक कार्यालय ने 19 जून को जारी एक अंतरिम कुर्की आदेश के तहत यह कुर्की की। कुर्क की गई संपत्तियों में भारत में स्थित 459.10 करोड़ रुपये मूल्य की 99 अचल संपत्तियां, सिंगापुर में स्थित 471.32 करोड़ रुपये मूल्य की 31 अचल संपत्तियां और भारतीय कंपनियों में 93.42 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयर शामिल हैं। ये संपत्तियां स्वर्गीय अनिल वासुदेव सलगांवकर की संपत्ति (उनकी प्रशासनिक श्रीमती लक्ष्मी अनिल सलगांवकर के माध्यम से), मैसर्स सलगांवकर माइनिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स शांतिलाल खुशालदास एंड ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स एस कांतिलाल एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स सलीथो ओर्स प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स वर्टेक्स न्यूटन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स सुवर्णरेखा पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर पंजीकृत हैं। ईडी ने बताया कि एजेंसी ने गोवा पुलिस की सीआईडी अपराध शाखा द्वारा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम (एमएमडीआर) के तहत दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने भी 21 अप्रैल, 2014 और 7 फरवरी, 2018 के अपने फैसलों में स्पष्ट किया था कि गोवा में 22 नवंबर 2007 के बाद (नए खनन पट्टे जारी होने तक) किया गया सारा खनन अवैध और बिना कानूनी अधिकार के था।

- **कुर्क की गई संपत्तियों में भारत में स्थित 459.10 करोड़ रुपये मूल्य की 99 अचल संपत्तियां, सिंगापुर में स्थित 471.32 करोड़ रुपये मूल्य की 31 अचल संपत्तियां और भारतीय कंपनियों में 93.42 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयर शामिल हैं।**
- **ईडी ने बताया कि एजेंसी की जांच में खुलासा हुआ कि एवीएस समूह ने वर्ष 2007 से 2012 के दौरान कुल दस खनन पट्टों का संचालन किया और लौह अयस्क के अवैध निष्कर्षण, बिक्री व निर्यात से लगभग 2,492.95 करोड़ की अपराध की कमाई अर्जित की।**

ईडी ने बताया कि एजेंसी की जांच में खुलासा हुआ कि एवीएस समूह ने वर्ष 2007 से 2012 के दौरान कुल दस खनन पट्टों का संचालन किया और लौह अयस्क के अवैध निष्कर्षण, बिक्री व निर्यात से लगभग 2,492.95 करोड़ की अपराध की कमाई अर्जित की।

अवैध रूप से निकाले गए इस अयस्क को बेहद कम कीमतों पर ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई) में पंजीकृत शेल कंपनियों को निर्यात किया गया था।

जेलेंस्की ने पोलैंड का सर्वोच्च सम्मान लौटाया

वारसा, 21 जून। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पोलैंड का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द व्हाइट ईगल लौटा दिया। जेलेंस्की ने यह कदम पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नावरोकी द्वारा यह सम्मान उनसे वापस लेने की घोषणा के बाद उठाया है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से सम्मान वापस लेने का एलान द्वितीय विश्वयुद्ध की घटना को लेकर पैदा विवाद के चलते किया गया। इस विवाद में जेलेंस्की का यूक्रेनी सेना की एक यूनिट का नाम उस अर्धसैनिक बल के नाम पर रखने का निर्णय है जिसने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान पोलैंड में लोगों का नरसंहार किया था। जेलेंस्की ने बीती 26 मई को यूक्रेन के स्पेशल ऑपरेशंस फोर्स का नाम यूक्रेनियन इंसरजेंट आर्मी रखने का निर्णय लिया था। जबकि इसी आर्मी ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान पोलैंड में बड़ी संख्या में लोगों की हत्याएं की थीं। उल्लेखनीय है कि 2023 में पोलैंड के तत्कालीन राष्ट्रपति आंद्रजेज डूडा ने मानवाधिकारों की रक्षा के लिए देश के सर्वोच्च सम्मान से जेलेंस्की को सम्मानित किया था।

उद्धव गुट के सांसद नागेश आष्टीकर ने शिंदे का दामन थामा

पिछले कई दिनों से उनके पार्टी छोड़ने की अटकलें लग रही थीं, जिन पर उन्होंने पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी

छत्रपति संभाजीनगर, 21 जून। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका देते हुए हिंगोली से सांसद नागेश पाटिल आष्टीकर ने रविवार को साफ कर दिया कि वह अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ हैं। पिछले कई दिनों से उनके पार्टी छोड़ने की अटकलें लग रही थीं, जिन पर उन्होंने पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी विचारधारा से कोई समझौता नहीं किया है। उनका कहना था कि वह एक शिवसेना से दूसरी शिवसेना में गए हैं। उन्होंने दावा किया कि 18 जून तक उन्होंने और कुछ अन्य सांसदों ने कोई फैसला नहीं लिया था, लेकिन उसके बाद उनके खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों ने उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।

- **सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी विचारधारा से कोई समझौता नहीं किया है। उनका कहना था कि वह एक शिवसेना से दूसरी शिवसेना में गए हैं। उन्होंने दावा किया कि 18 जून तक उन्होंने और कुछ अन्य सांसदों ने कोई फैसला नहीं लिया था, लेकिन उसके बाद उनके खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों ने उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।**

हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन माना जा रहा है कि उनका इशारा शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की ओर था। संजय राउत ने बागी सांसदों के खिलाफ कड़ी भाषा का इस्तेमाल किया था और 'ऑपरेशन तुड़वा' की चेतावनी भी दी थी। आष्टीकर ने कहा कि किसी को नाराजगी जाहिर करने का अधिकार है, लेकिन भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए।

सांसद ने पार्टी छोड़ने के पीछे विकास कार्यों के लिए धन की कमी को भी बड़ा कारण बताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष में होने के कारण क्षेत्र के विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे और कार्यकर्ताओं के काम भी नहीं हो पा रहे थे।

कीर स्टार्मर पर इस्तीफे का दबाव: जा सकती है ब्रिटिश प्रधानमंत्री की कुर्सी

लेबर पार्टी के अंदर ही बगावत शुरू हो गई है, पार्टी नेता अब एंडी बर्नहैम को नया प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं

लंदन, 21 जून। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। उन पर पद छोड़ने का भारी दबाव है। लेबर पार्टी के अंदर ही बगावत शुरू हो गई है। पार्टी नेता अब एंडी बर्नहैम को नया प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं। हाल ही में मेकरफील्ड सीट पर उपचुनाव हुआ था। इस चुनाव में बर्नहैम ने बहुत बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने धुर दक्षिणपंथी नेता नाइजेल फराज की पार्टी रिफॉर्म यूके को बुरी तरह हरा दिया। इस जीत के बाद बर्नहैम की दावेदारी सबसे मजबूत हो गई है।

लेबर पार्टी के भीतर अब खुलकर विरोध होने लगा है। स्टार्मर की अपनी कैबिनेट के मंत्री भी उनके खिलाफ हो गए हैं। लंदन के राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है। कयास हैं कि स्टार्मर अगले हफ्ते ही प्रधानमंत्री आवास खाली कर सकते हैं। हालांकि स्टार्मर अभी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। शनिवार को उन्होंने पत्रकारों से बात की। स्टार्मर ने कहा कि दो साल पहले जनता ने उन्हें बड़ा जनादेश दिया था। वह देश की सेवा के लिए चुने गए थे। उन्होंने साफ कहा कि वह मैदान छोड़कर कहीं नहीं भागेंगे।

- **हाल ही में मेकरफील्ड सीट पर उपचुनाव हुआ था। इस चुनाव में बर्नहैम ने बहुत बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने धुर दक्षिणपंथी नेता नाइजेल फराज की पार्टी रिफॉर्म यूके को बुरी तरह हरा दिया। इस जीत के बाद बर्नहैम की दावेदारी सबसे मजबूत हो गई है।**

स्टार्मर भले ही अपनी जिद पर अड़े हैं, लेकिन उनकी पकड़ कमजोर हो चुकी है। दूसरी तरफ एंडी बर्नहैम ने अपनी नई कैबिनेट बनाने की तैयारी भी शुरू कर दी है।?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 300 लेबर सांसद बर्नहैम के साथ हैं। व्यापार सचिव पीटर काइल ने रविवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि स्टार्मर को राजनीतिक हकीकत को समझना होगा।

नीतीश कुमार फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर चुने जायेंगे

पटना, 21 जून। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की राष्ट्रीय परिषद और राज्य परिषद की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को राजधानी पटना स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय परिषद ने सर्वसम्मति से बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने का अनुमोदन किया। इस दौरान संगठन की मजबूती, आगामी चुनावी रणनीति तथा पार्टी के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि जदयू के लिए यह गौरव और प्रसन्नता का विषय है कि पार्टी के सर्वमान्य नेता नीतीश कुमार एक बार फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय परिषद की बैठक में उनके निर्वाचन का औपचारिक अनुमोदन किया गया। इससे पूरे संगठन और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है तथा पार्टी को नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने कहा कि रविवार को आयोजित राज्य परिषद और राष्ट्रीय परिषद की बैठकों में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की सक्रिय भागीदारी भी चर्चा का विषय रही।

नीट-यूजी : 22 लाख से अधिक छात्रों ने कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच दी परीक्षा

परीक्षा देश भर के 551 शहरों के 5440 परीक्षा केंद्रों और विदेशों के 14 शहरों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर एक साथ आयोजित की हुई है।

नई दिल्ली, 21 जून। मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी नीट-यूजी की परीक्षा रविवार को दोबारा देश भर में कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच संपन्न हुई और शिक्षा मंत्रालय के लिए राहत रही कि कहीं से किसी तरह की गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली। इसके साथ ही 22 लाख से अधिक छात्रों का डॉक्टर बनने का सपना भी ओएमआर (ऑप्टिकल मार्क रिकॉग्निशन) सीट में कैद हो गया।

इससे पहले यह परीक्षा तीन मई को हुई थी, लेकिन बाद में पेपर लीक का मामला सामने के बाद पूरी परीक्षा को रद कर दिया गया था। साथ ही इसकी सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। यह जांच अभी चल रही है। एनटीए के मुताबिक नीट यूजी की दोबारा परीक्षा देश भर के 551 शहरों के 5440 परीक्षा केंद्रों और विदेशों के 14 शहरों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर एक साथ आयोजित की हुई है।

- **हिंदी, अंग्रेजी सहित कुल 13 भारतीय भाषाओं में आयोजित नीट-यूजी की परीक्षा पर केंद्रीय एजेंसियों के साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी पैनी नजर रखी।**

एनटीए ने सभी केंद्रों पर परीक्षा तय प्रोटोकॉल के मुताबिक कराए जाने का होने का दावा किया है। साथ ही बताया कि ओएमआर सीट को भी प्रश्न पत्रों की तरह सुरक्षा के कड़े प्रोटोकाल में लाया जा रहा है, इनमें भी भारतीय वायु सेना व भारतीय डाक विभाग की मदद ली जा रही है। परीक्षा माफिया की सक्रियता व परीक्षा को लेकर फैलाए जा रहे झूठ और दुष्प्रचार को देखते हुए एनटीए ने परीक्षा को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए थे। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्थानीय पुलिस के साथ केंद्रीय सुरक्षा बलों की भी तैनाती दी गई थी। साथ ही प्रत्येक शहरों में साइबर कमांडो भी तैनात किए थे।

हिंदी, अंग्रेजी सहित कुल 13 भारतीय भाषाओं में आयोजित नीट-यूजी की परीक्षा पर केंद्रीय एजेंसियों के साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी पैनी नजर रखी। परीक्षा के दौरान वह एनटीए मुख्यालय में बनाए गए कंट्रोल रूम में पहुंचे और वहां से सीसीटीवी के जरिए परीक्षा पर नजर रखे। साथ ही वहां तैनात टीमों को भी सतर्कता के साथ काम करने के निर्देश दिए।

नीट-यूजी की रविवार को दोबारा हुई परीक्षा में छात्रों को इस बार पंद्रह मिनट अतिरिक्त समय दिया गया था। वैसे तो परीक्षा में छात्रों को अब तक तीन घंटे का समय दिया जाता था, जिसमें उन्हें परीक्षा से जुड़ी कागजी कार्रवाई के साथ ही प्रश्नपत्र को हल करना होता था। हालांकि इस बार छात्रों के हितों को देखते हुए एनटीए ने परीक्षा के दौरान होने वाली कागजी कार्रवाई के लिए पंद्रह मिनट अतिरिक्त समय दिया था। परीक्षा देकर बाहर निकले छात्रों ने इस बार परीक्षा के दौरान मिले पंद्रह मिनट के अतिरिक्त समय को लेकर खुशी जताई। ऐसे में दोपहर दो बजे से शुरू हुई परीक्षा शाम 5.15 बजे खत्म हुई।

नीट-यूजी परीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी छात्रों की सुविधा का ध्यान रखा।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908